Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 08
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 15 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

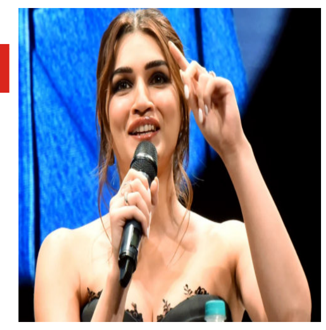

क्या आपने मतदान किया है?

लोकतंत्र में मतदान न करना,
भले ही **कानूनी अपराध न हो,**
लेकिन यह एक **नैतिक अपराध है।**

जाइए और मतदान कीजिए!

बड़ी संख्या में भागीदार बनें
अपनी **जिम्मेदारी** निभाइए

१५ जनवरी २०२६ | सुबह ७:३० बजे से शाम ५:३० बजे तक

Published in public interest by SWARNIM YUG FOUNDATION.

देवेंद्र फडणवीस का उद्धव को दो टूक जवाब, बोले- एमवीए या ठाकरे की हमें कभी जरूरत नहीं पड़ेगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन भविष्य में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) या शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ किसी भी प्रकार का राजनीतिक गठबंधन नहीं करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका गठबंधन अपने दम पर चुनाव जीतने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य में एमवीए या उद्धव ठाकरे की कभी जरूरत नहीं पड़ेगी। हम उनके साथ कभी गठबंधन नहीं कर सकते। हम यह चुनाव जीत रहे हैं। हां, यह सच है कि वे हमारे 'दुश्मन' नहीं हैं, हम भविष्य में उनके साथ चाय पी सकते हैं, लेकिन कोई गठबंधन नहीं होगा।

एएनआई से बात करते हुए, फडणवीस ने कहा कि महायुति ने नगर निगम चुनाव प्रचार में पहले दिन से ही 'गंभीर

और पेशेवर' तरीके से भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सब्जी विक्रेताओं, मध्यम वर्ग के लोगों, वकीलों और यहां तक कि बेघर लोगों सहित आम पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को मैदान में उतारा। उनके अनुसार, मतदाताओं के सामने प्रदर्शित कार्यों के कारण प्रचार को जनता का जबरदस्त समर्थन मिला। परिणामों पर विश्वास व्यक्त करते हुए, फडणवीस ने कहा कि महायुति को स्पष्ट बहुमत मिलेगा और चुनाव में भाग लेने वाले 29 नगर निगमों में से 26 में उसके महापौर होंगे।

उन्होंने आगे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और उद्धव ठाकरे की बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के दौरान जानबूझकर 'मराठी बनाम गैर-मराठी' की राजनीति को हवा देने के प्रयास की आलोचना की और कहा कि इस तरह की विभाजनकारी राजनीति उनकी सरकार के विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने एएनआई से कहा, 'मराठी मेरी भाषा है। मराठी भाषा का विकास होना चाहिए। फडणवीस ने हिंदुत्व विवाद पर भी अपनी राय रखते हुए कहा कि हिंदुत्व भाजपा की 'आत्मा' है और इसे कभी भी केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया है। उन्होंने मत बैंक की राजनीति के लिए हिंदुत्व से दूरी बनाने वाले प्रतिद्वंद्वियों की आलोचना की और कहा कि उन्हें मराठी अस्मिता (पहचान) को गुमराह करने के लिए जनता को जवाब देना होगा।

RT-PCR report में कोविड की पुष्टि न होने पर मुआवजा खारिज नहीं किया जा सकताः हाईकोर्ट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि कोविड-19 पीड़ित व्यक्ति की मौत के बाद दायर मुआवजे की अर्जी केवल इस आधार पर खारिज नहीं की जा सकती कि आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई।

उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने आयानगर जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 50 लाख रुपये की बीमा राशि पाने से जुड़े एक व्यक्ति के दावे पर प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। व्यक्ति की स्वास्थ्य कर्मी पत्नी की कोविड महामारी के दौरान मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति अरुण पेडनेकर और न्यायमूर्ति वैशाली जाधव की पीठ ने नौ जनवरी को पारित आदेश में कहा कि इस आधार पर मुआवजे का दावा खारिज करने का कलेक्टर का फैसला अस्वीकार्य है कि व्यक्ति ने अपनी पत्नी को कोविड-19 से पीड़ित बताने के लिए आरटीपीसीआर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की थी।

अदालत ने अहिल्यानगर के कलेक्टर को पीएम गरीब कल्याण योजना के तहतकिए गए मचिंद्र गायकवाड़ के दावे पर प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

महामारी के दौरान जान गंवाने वाले कोविड-19 योद्धाओं, चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के परिवार के सदस्यों के लिए इस योजना की घोषणा की गई थी।

अदालत ने कहा कि कलेक्टर को यह स्वीकार करते हुए व्यक्ति का दावा संबंधित प्राधिकरण को भेजने का निर्देश दिया जाता है कि उसकी पत्नी मौत के समय कोविड-19 से पीड़ित थी।

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि हालांकि आरटीपीसीआर रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतक की कोविड-19 रिपोर्ट नेगेटिव थी, जबकि अन्य मेडिकल रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

अदालत ने कहा कि सीटी स्कैन, ऑक्सीजन स्तर और मृत्यु प्रमाणपत्र समेत चिकित्सा रिपोर्टों में स्पष्ट रूप से कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई थी और इनसे पता चलता है कि मृत्यु महामारी के कारण हुई।

उच्च न्यायालय ने कहा कि केवल इस कारण याचिकाकर्ता का मुआवजा दावा खारिज नहीं किया जा सकता कि वह रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर सका कि मृतक कोविड-19 से पीड़ित थी।

नगर निगम चुनाव से ठीक पहले नांदेड़ में तनाव, कांग्रेस उम्मीदवार के पति पर जानलेवा हमला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में स्थानीय नगर निगम चुनाव से ठीक पहले हिंसा का मामला सामने आया है। मतदान शुरू होने में सिर्फ दो दिन बचे हैं, लेकिन उससे पहले ही बुधवार को एक कांग्रेस उम्मीदवार के पति पर जानलेवा हमला किया गया। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है।

पुलिस अधिकारी ने दी जानकारी

पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल व्यक्ति का नाम शिवाजी भालेराव है। उनकी पत्नी सारिका भालेराव 15 जनवरी को होने वाले चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं। घटना के वक्त शिवाजी वार्ड नंबर 1 में अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी वहां मोटरसाइकिलों पर सवार होकर छह हमलावर आए। वे सभी हथियारों से लैस थे। उन्होंने बिना कुछ कहे शिवाजी पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से वहां अफरा-तफरी मच गई।

लोगों ने बचाई जान

हमला होते देख स्थानीय लोग और पड़ोसी मदद के लिए दौड़ पड़े। भीड़ को अपनी तरफ आता देख हमलावर वहां से भाग निकले। इस हमले में शिवाजी भालेराव को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया है कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है।

कड़ी सुरक्षा के बीच वारदात

यह घटना इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि चुनाव के चलते पूरे शहर में पुलिस का कड़ा पहरा है। भारी पुलिस बल तैनात होने के बावजूद हथियारबंद बदमाश खुलेआम वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इससे प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सांसद ने की सुरक्षा की मांग

इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस सांसद रवींद्र चव्हाण ने हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि भालेराव परिवार को तुरंत पुलिस सुरक्षा दी जाए ताकि उन पर दोबारा हमला न हो सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा नवंबर एवं दिसंबर 2025 के 'कर्मचारी ऑफ द मंथ' सम्मानित

दिव्यांश

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के अपने संकल्प को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।

इसी क्रम में आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा नवंबर एवं दिसंबर 2025 के कर्मचारी ऑफ द मंथ को पश्चिम क्षेत्र कार्यालय, मुंबई में आयोजित एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया।

दिसंबर 2025 के लिए मनीष गोंधलेकर, मुख्य पर्यवेक्षक (पर्यटन) एवं सिद्धार्थ सिंह बैस, पर्यटन मॉनिटर, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल, तथा सुपल्लवी बंडाल, सहायक कर्मचारी (वित्त) क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई को सम्मानित किया गया।

वहीं नवंबर 2025 के लिए विपुल नंदकिशोर पालखडे, सहायक कर्मचारी (केटरिंग) एवं जगन्नाथ जेठे, सहायक कर्मचारी (पर्यटन), क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए

सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मानित कर्मचारियों को उनके समर्पण, निष्ठा एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए मेरिट प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

यह पुरस्कार गौरव झा, समूह महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किए गए। इस अवसर पर संदीप दत्ता, एजीएम (केटरिंग); हर्षवर्धन सिंह रावत, एजीएम (पर्यटन); संजीब घोष एवं विजय कुंडले, डीजीएम (वित्त); डॉ. ए. के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी; तथा नागेश चौधरी, प्रबंधक (मानव संसाधन) आयआरसीटीसी,क्षेत्रीय कार्यालय उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. ए. के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई ने बताया कि यह कर्मचारी सम्मान योजना पिछले वर्ष समूह महाप्रबंधक, पश्चिम क्षेत्र के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत अब तक कुल 13 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र उत्कृष्टता, नवाचार एवं ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अपने कर्मचारियों के योगदान को निरंतर प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मतदान से पहले राज ठाकरे की MNS को लगा बड़ा झटका, हाई कोर्ट ने लिया ये फैसला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कई वार्डों में निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने ऐसी निर्विरोध जीत को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत, बिना मतदान के उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित करना वैध है।

याचिका किस बारे में थी?

यह याचिका महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के नेता अविनाश जाधव ने दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया कि

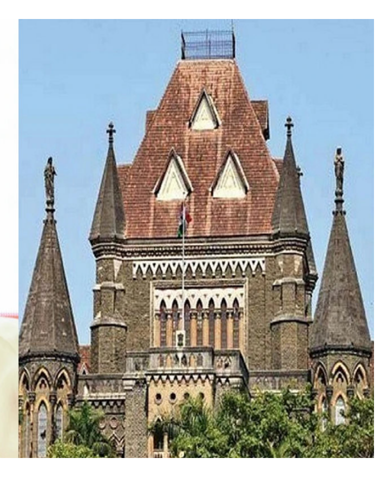

बिना मतदान कराए उम्मीदवारों को विजेता घोषित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ क्षेत्रों में, अन्य उम्मीदवारों ने दबाव या प्रलोभन के कारण अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे कोई मुकाबला नहीं रह गया।

अदालत ने दलीलें खारिज कीं

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इन दावों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता आरोपों के समर्थन में ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने में विफल रहा है। अदालत ने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार चल रही है और अदालत के हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी वार्ड में केवल एक ही वैध उम्मीदवार हो, तो उस उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करना चुनाव कानूनों के अनुरूप है। वर्तमान व्यवस्था के तहत यह प्रक्रिया कानूनी रूप से मान्य है। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को भविष्य में ऐसे मामलों में जिम्मेदारी से अदालत का रुख करने की सलाह भी दी।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है, जो 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य के संबंध में 16/17 एवं 17/18 जनवरी, 2026 की रात्रि के दौरान बोरीवली और मालाड के बीच अप फास्ट लाइन पर रात 23:15 बजे से 03:15 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा।

उपर्युक्त ब्लॉक तथा पाँचवीं लाइन के

निलंबन तथा लगाए गए गति प्रतिबंध के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएँ निरस्त रहेंगी।

ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली उपनगरीय ट्रेनों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-I एवं II में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

बिना टिकट यात्रा पर टीटीई ने मांगा जुर्माना तो की मारपीट, दी जान से मारने की धमकी; पांच गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे। महाराष्ट्र में कर्जत रेलवे स्टेशन के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां तिरुवनंतपुरम-सीएसएमटी एक्सप्रेस में बिना टिकट यात्रा करने पर जुर्माना मांगने पर यात्रियों ने टीटीई और उनके साथी पर हमला कर दिया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि इस मामले में पांच लोगों पर केस दर्ज किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना 11 जनवरी की है। सीनियर टीटीई शामू कल्लू राठौड़ (33) एक रिजर्व कोच में टिकट चेक कर रहे थे। उन्होंने वॉशरूम के पास 15-20 आम यात्रियों की भीड़ देखी। राठौड़ ने उनसे टिकट दिखाने को कहा और जिनके पास टिकट नहीं था, उन्हें जुर्माना भरने की सलाह दी।

जान से मारने की धमकी

एफआईआर के मुताबिक, इसी बात पर ग्रुप के पांच लोगों ने राठौड़ पर हमला कर दिया। उन्होंने राठौड़ को चलती ट्रेन से नीचे फेंकने की धमकी भी दी। जब राठौड़ के साथी अवनेश कुमार ने बीच-बचाव की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें भी थप्पड़ मारा।

कल्याण स्टेशन पर पकड़े गए आरोपी

ट्रेन जैसे ही कल्याण स्टेशन पहुंची, वहां मौजूद सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और आरफीएफ के जवानों ने पांचों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। सभी आरोपी मुंबई के वर्ली इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पश्चिम रेलवे

बगीचों का विकास

डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA), वेस्टर्न रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008, ई-टेंडर नोटिस नंबरः BCT/25-26/295, तारीख 13.01.2026 आमंत्रित करता है। **काम और स्थानः** ज़ोन हॉर्टिकल्चरः चर्चगेट-विरार सेक्शन - उर्वरक, खाद, बीज, पौधे, फूलों के गमले, बगीचे के उपकरण और एक्सेसरीज़ की सप्लाई के साथ बगीचों का विकास। **काम की अनुमानित लागतः** 30,97,260/-। **ईएमडीः** 62,000/-। **जमा करने की तारीख और समयः** 06.02.2026 तक 15:00 बजे तक। **खोलने की तारीख और समयः** 06.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1006

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न NFR मीडिया कार्य

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे। डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल मुंबई 400 008। **कार्यः** मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन। **नीलामी कैटलॉग नंबरः** MMCT-PnU-25-15. **नीलामी शुरू (सभी लॉट)ः** 02-02-26, 13:00:00. **लॉट नंबरः** PnU-BCT-ST-WRL-44-26-1 (पे एंड यूज़ लाउंज / वेटिंग / रिटायरिंग / क्लॉक रूम)। **स्थान / क्षेत्रः** मुंबई डिवीजन के सूरत (ST) स्टेशन पर 05 (पांच) साल की अवधि के लिए क्लॉक रूम सेवाओं का नवीनीकरण, प्रबंधन, रखरखाव, संचालन और मैनिंग। **दिनः** 1826. **ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समयः** 02-02-26, 13:30:00. **संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः** 02267644212, **ईमेल आईडीः** acmadvtgbct@gmail.com **नोटः** इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहां बताए गए कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। 1004

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सीनियर डिविजनल कमर्शियल - मैनेजर, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे
डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।

काम - मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCTADVTMB25-10	30-01-26 14:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	MMS-MobGen-133732-2-26-1 (Misc-Mobile-Services - Mobile General)	ट्रेन नंबर 12009/12010 शताब्दी एक्सप्रेस, मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद - मुंबई सेंट्रल, मुंबई डिवीजन, वेस्टर्न रेलवे में ऑनबोर्ड फ्री लाइफस्टाइल मैगज़ीन के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए कॉन्ट्रैक्ट।	1096	30-01-26 14:30:00

नीलामी कैटलॉग नंबर	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-71	30-01-26 15:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	ADVT-BCT-DDR-OSN-443-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	दादर (DDR) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (FOB) पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	30-01-26 15:30:00
2	ADVT-BCT-CYR-OSN-442-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	चरनी रोड (CYR) स्टेशन पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	30-01-26 15:40:00
3	ADVT-BCT-BA-OSN-440- 25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	बांद्रा (BA) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (FOB) पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	30-01-26 15:50:00
4	ADVT-BCT-DDR-OSN-339-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	दादर (DDR) स्टेशन प्लेटफॉर्म पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	30-01-26 16:00:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212. ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com नोटः संभावित बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल पर जाएं। लॉट के अनुसार विवरण वहां बताए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।

0998

Like us on : facebook.com/WesternRly • Follows us on : twitter.com/WesternRly

Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 08
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरुवार, 15 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

5 मकर संक्रांति स्नान पर्व के पूर्व संगम क्षेत्र में ..
4 आज एक मत-मुंबई के भविष्य के नाम...
7 टी20 विश्व कप : वीजा क्लीयरेंस के इंतजार...

संक्षिप्त न्यूज

सेना प्रमुख द्विवेदी ने गणतंत्र दिवस शिविर का किया दौरा, एनसीसी कैडेटों से की बातचीत

नई दिल्ली। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को दिल्ली छावनी के करियाप्पा परेड कैंप में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का दौरा किया। इस दौरान, सीओएएस ने राष्ट्रीय आयोजन के लिए चयनित कैडेटों से बातचीत की। शिविर के दौरे के अलावा, जनरल द्विवेदी और एडब्लूडब्ल्यूए की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी ने आर्मी हाउस में कैडेटों का स्वागत किया। कैडेटों से बातचीत करते हुए सेना प्रमुख ने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। इसके साथ ही अनुशासन, दृढ़ता, कड़ी मेहनत और नेतृत्व को चरित्र और उत्कृष्टता के आधार स्तंभ बताया।

जेन-जी को शक्ति का भंडार- सेना प्रमुख द्विवेदी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि हाल की घटनाओं ने दुनिया को दिखा दिया है कि भारतीय युवा क्या करने में सक्षम हैं। आप जेनरेशन जेड की सबसे शक्तिशाली और सबसे बड़ी आबादी हैं। हमारे युवा शक्ति का भंडार हैं, जिसे अनुशासन, उद्देश्य और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के साथ सही दिशा में ले जाना चाहिए।'

आगे उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर भारत के संकल्प और संयम का एक निर्णायक प्रदर्शन था, जो हमारे सशस्त्र बलों और युवाओं की नैतिक शक्ति और पेशेवर उत्कृष्टता का प्रतिबिंब था।

भारत में 42 देशों के मेहमान

पीएम मोदी करेंगे 28वें सीएसपीओसी सम्मेलन को संबोधित; स्पीकर ओम बिरला अध्यक्ष

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन करेंगे। यह संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के केंद्रीय हॉल में आयोजित होगा। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे।

ओम बिरला की अध्यक्षता में होगा सम्मेलन

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में होने वाले इस सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 42 राष्ट्रमंडल देशों और चार अर्ध-स्वायत्त संसदों के 61 अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी

भाग लेंगे। इसमें समकालीन संसदीय मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें मजबूत लोकतांत्रिक संस्थानों को बनाए रखने में अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका भी शामिल है।

एआई के उपयोग, सोशल मीडिया के प्रभाव पर होगी चर्चा

सम्मेलन में संसदीय कामकाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, सांसदों पर सोशल मीडिया के प्रभाव, संसद की सार्वजनिक समझ को बढ़ाने के लिए अभिनव रणनीतियों और मतदान से परे नागरिक भागीदारी आदि पर भी चर्चा की जाएगी।

सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

'हम पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाते हैं'

नई दिल्ली। आज देश 10वां सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मना रहा है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और जिन सैनिकों ने युद्ध के मैदान में अपने प्राण गंवाएं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि देश अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाता है। राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को देश का गर्व बताया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम भारत समेत विश्व भर में रहने वाले अपने पूर्व सैनिकों को आदरपूर्वक नमन करते हैं। हम शहादत प्राप्त उन सभी सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। आज मुझे इस विशाल परिवार के साथ में मकर संक्रांति मनाने का अवसर मिला है।

रक्षामंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'आपके लिए यह सिर्फ एक पेशा नहीं है; बल्कि एक प्रतिज्ञा है जिसमें आप सभी ने राष्ट्र को अपने से ऊपर रखा है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं क्योंकि किसी भी समाज के लिए इससे बड़ा बलिदान कुछ और नहीं होगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें देश सेवा करने का मौका मिला और यह मेरी सबसे संतोषजनक भूमिका रही है। उन्होंने सभी सैनिकों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना योगदान देते रहते हैं। इसलिए रक्षा मंत्री के रूप में आपके साथ काम करना मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया है। लेकिन मुझे सबसे अधिक संतोष रक्षा मंत्री के रूप में सेवा करने से ही मिला है। इसमें सैनिकों के जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का समाधान करने का सौभाग्य मिला है।

'राहुल गांधी के साथ नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई बात नहीं हुई', कयासों के बीच शिवकुमार ने दी सफाई

बंगलूरू। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने बुधवार को साफ किया कि मंगलवार को जब उनकी राहुल गांधी के साथ बात हुई थी, उसमें कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। दरअसल राहुल गांधी, जब मंगलवार को कर्नाटक दौरे पर पहुंचे थे तो शिवकुमार उनसे अकेले में बातचीत करते नजर आए थे। जिसके बाद फिर से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के कयास शुरू हो गए थे।

राहुल गांधी से मुलाकात को लेकर क्या बोले डीके शिवकुमार

बुधवार को मीडिया से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, 'मैं कर्नाटक कांग्रेस का अध्यक्ष हूं और राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता, हमारी बातचीत प्रोटोकॉल के तहत हुई थी। ये सब बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं की जा सकतीं। नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई बात नहीं हुई। राहुल गांधी ने हमें अच्छा काम करने के लिए कहा और हम उसी हिसाब से काम करेंगे।'

कांग्रेस विधायक के बयान ने बढ़ाई हलचल

हालांकि जब दिल्ली जाने को लेकर सवाल किया गया तो डीके शिवकुमार ने साफ कहा कि वे 16 जनवरी को दिल्ली जाएंगे। दरअसल हाल ही में कांग्रेस विधायक अशोक पत्तन ने कहा था कि राहुल गांधी ने दोनों नेताओं (सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार) को दिल्ली बुलाया है। अभी दिल्ली जाने की तारीख तय नहीं है, लेकिन संक्रांति के बाद दोनों नेता राहुल गांधी से मिलने दिल्ली जा सकते हैं। पत्तन ने ये भी कहा कि उन सभी की इच्छा है कि कैबिनेट विस्तार हो और वे खुद भी मंत्री पद के दावेदार हैं।

हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को यह कहकर खारिज कर दिया कि ये सिर्फ मीडिया द्वारा गढ़ी गई कहानी है और उनके और डीके शिवकुमार के बीच नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई मतभेद नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से मुश्किल में ममता बनर्जी

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही हत्या पश्चिम बंगाल चुनाव में बड़ा मुद्दा बन सकती है। पड़ोसी देश में हिंदुओं की हत्याओं से पश्चिम बंगाल के हिंदू समुदाय में आक्रोश बढ़ रहा है। इस माहौल में पश्चिम बंगाल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ लोगों की नाराजगी भी बढ़ रही है। भाजपा इस मुद्दे पर आक्रामक है और वह घुसपैठ के मुद्दे को लगातार पूरे जोर शोर से उठा रही है। तृणमूल कांग्रेस लगातार एसआईआर का विरोध कर रही है। राज्य में भाजपा इसे घुसपैठियों को बचाने की कोशिश करार दे रही है। इससे राज्य का पूरा चुनावी माहौल अवैध घुसपैठ और बांग्लादेश में हिंदुओं की हो रही हत्या के आसपास सिमटता दिख रहा है। ममता बनर्जी को इसका नुकसान हो सकता है।

इन जिलों में सबसे ज्यादा असर

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना, नदिया, मालदा, मुर्शिदाबाद कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, दक्षिण दिनाजपुर और दार्जिलिंग जिले बांग्लादेश की सीमा से सटे हैं। इन इलाकों में मुस्लिमों की काफी आबादी अधिक है और अकेले मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। लेकिन यही वे इलाके हैं जहां अवैध घुसपैठ कर आए बांग्लादेशी मुसलमान सबसे ज्यादा संख्या में रहते हैं। बांग्लादेशी मुसलमानों ने लंबे समय से यहां रहते हुए भारतीय पहचान पत्र,

आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवा लिए हैं। लेकिन अब इनमें से कई जांच एजेंसियों की पकड़ में आ रहे हैं और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया भी चल रही है।

एसआईआर के मुद्दे पर सबसे ज्यादा विरोध भी इन्हीं जिलों में देखा जा रहा है। कहा जाता है कि ये मतदाता ममता बनर्जी के ठोस समर्थक हैं। पिछले चुनाव में भी ममता बनर्जी ने इन इलाकों में क्लीन स्वीप किया था। तमाम विरोधों के बाद भी इन इलाकों में टीएमसी की दावेदारी आज भी बहुत मजबूत है। एसआईआर से कटने वाले हर वोटर को यहां ममता बनर्जी के नुकसान के तौर पर देखा जा रहा है।

जिस तरह यूपी-बिहार में भारी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटे हैं, यहां भी भारी संख्या में वोटरों का नाम मतदाता सूची से कटना तय माना जा रहा है। इसका चुनाव पर कुछ असर पड़ना तय है, लेकिन इसके बाद भी मुस्लिम मतदाताओं की बड़ी संख्या ही यहां निर्णायक रहने वाली है। ममता बनर्जी की एसआईआर से नाराजगी को इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

भाजपा के प्रमुख मुद्दे

भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी पश्चिम बंगाल में स्थानीय मुद्दों के सहारे अपना चुनावी अभियान आगे बढ़ाना चाहती है। भाजपा की कई टीमें लगातार पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में काम कर रही हैं। इन इलाकों में काम करने वाले भाजपा कार्यकर्ता उन मुद्दों की पहचान कर रहे हैं जिसके सहारे भाजपा ममता बनर्जी के किले में सेंध लगा सकती है। इन्हीं मुद्दों पर आक्रामक चुनाव प्रचार कर भाजपा जनता को अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी। हालांकि, पूरे राज्य के स्तर पर भाजपा अवैध घुसपैठियों के द्वारा आम बंगाली मानुष की रोजी-रोटी छीने जाने का मुद्दा लगातार उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ भाजपा के हर नेता इसी सुर को आगे बढ़ाते हुए देखे जा रहे हैं। इसके अलावा तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा कथित भ्रष्टाचार भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 17 जनवरी को जाएंगे इंदौर, भागीरथपुरा में मृत लोगों के परिजन से मिलेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 जनवरी शनिवार को मध्यप्रदेश के इंदौर जाएंगे। इस दौरान वह भागीरथपुरा पहुंचकर दूषित पानी पीने से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसी दिन कांग्रेस मध्य प्रदेश में मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर विरोध प्रदर्शन भी करेगी। मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि, देश के हर ब्लॉक में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सामूहिक उपवास रखेंगे। साथ ही गांधी प्रतिमाओं के सामने धरना देकर भजन गाएंगे। इस दौरान भागीरथपुरा में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी।

भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मुद्दे पर प्रदेश की सियासत भी गरमा चुकी है। कांग्रेस राज्य की मोहन यादव सरकार और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को घेर रही हैं। वहीं, कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी इस मामले में अपनी ही सरकार पर निशाना साध रहे है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस इंदौर में लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है। भागीरथपुरा मामले को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस ने इंदौर में 11 जनवरी को न्याय यात्रा निकाली थी। इस यात्रा में इंदौर और आसपास के 200 किलोमीटर क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष शामिल हुए थे। इस यात्रा में जितेंद्र पटवारी, उमंग सिंघार, दिग्विजय सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए थे।

प्रदेश कांग्रेस नेताओं का कहना है, 17 जनवरी को राहुल गांधी के इंदौर आने का कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। इस दौरान वे मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर होने वाले धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसके अलावा पार्टी ने कई अन्य मुद्दों पर भाजपा और राज्य सरकार की तगड़ी घेराबंदी करने की योजना तैयार की है। इन्हीं आंदोलन की तैयारियों को लेकर हाल ही में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक भी की थी। कांग्रेस पार्टी इंदौर की इस त्रासदी के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मेयर पुष्यमित्र भार्गव को जिम्मेदार बताते हुए दोनों नेताओं के इस्तीफे मांग रही है। इसके लिए कांग्रेसी पिछले कई दिनों से प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं।

करूर भगदड़ केस में बढ़ा CBI का एक्शन, सुपरस्टार विजय को दोबारा पूछताछ के लिए भेजा समन

नई दिल्ली। करूर भगदड़ मामले में जांच अब एक बार फिर तेज़ होती दिख रही हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने तमिलागा वेत्री कझगम के प्रमुख और तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय को दूसरी बार पूछताछ के लिए 19 जनवरी को पेश होने का समन भेजा हैं।

बता दें कि विजय से सोमवार को दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई थी। जांच एजेंसी ने उन्हें अगले ही दिन फिर बुलाने को कहा था, लेकिन विजय ने पोंगल पर्व का हवाला देते हुए कुछ दिन का समय मांगा था, जिसके बाद नई तारीख तय की गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को तमिलनाडु के पूर्व एडीजी (कानून-व्यवस्था) एस. डेविडसन देवसिरवथम से भी पूछताछ की गई हैं।

गौरतलब है कि इस मामले में अब तक टीवीके के कई पदाधिकारियों, विजय के ड्राइवर और कुछ पुलिस अधिकारियों से भी सवाल-जवाब हो चुके हैं। सीबीआई ने यह जांच तमिलनाडु पुलिस की विशेष जांच टीम से अपने हाथ में ली थी, जो कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद हुआ। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह मामला 27 सितंबर 2025 की करूर भगदड़ से जुड़ा हैं, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस गंभीर घटना को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति भी गठित की हैं, जिसकी अध्यक्षता उसके पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा था कि इस भगदड़ की घटना ने पूरे देश के नागरिकों के मन में गहरी छाप छोड़ी हैं और इसके व्यापक प्रभाव हैं। अदालत ने यह भी रेखांकित किया था कि जिन परिवारों ने अपने परिजन खोए हैं, उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। साथ ही, अदालत ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले पर सार्वजनिक टिप्पणी किए जाने को लेकर कड़ी नाराज़गी जताई थी और चेतावनी दी थी कि इस तरह के बयान जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर सकते हैं। बता दें कि कई वर्षों से राजनीति में आने के संकेत देने के बाद विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी टीवीके का औपचारिक ऐलान किया था। पार्टी का पहला बड़ा चुनावी इम्तिहान आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव होंगे, जिनके अप्रैल में होने की संभावना जताई जा रही हैं।

फडणवीस का दावा- 29 में से इतने निगमों पर होगा महायुति का कब्जा, बताया बीएमसी में अगला मेयर कौन

मुंबई। महाराष्ट्र में कल यानी गुरुवार को 29 नगर निगमों पर चुनाव होने है, जिसको लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट तेज है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर है। इसी बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कई राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों पर अपना रुख साफ किया। इस दौरान उन्होंने मुंबई और महाराष्ट्र की राजनीति, मराठी जनता को लेकर बातें की। इसके साथ ही शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर जोरदार निशाना साधा।

सबसे पहले उन्होंने नगर निकाय चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य के 29 में से 26 या 27 नगर निगमों पर भाजपा, एनसीपी और शिवसेना का कब्जा होगा। दूसरी ओर उन्होंने मुंबई में मराठी महापौर को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

मराठी महापौर को लेकर क्या बोले फडणवीस?

मुंबई में मराठी महापौर को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जैसे पंजाब में पंजाबी, राजस्थान में राजस्थानी और तमिलनाडु में तमिल महापौर होते हैं, तो मुंबई में भी मराठी महापौर भी होना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह केवल मराठी जनता के लिए नहीं, बल्कि मराठी संस्कृति और पहचान के लिए जरूरी है।

मराठी जनता या राजनीतिक लड़ाई?

इस दौरान फडणवीस ने महाराष्ट्र में होने वाले नगर निकाय चुनाव में मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) उद्धव

ठाकरे पर भी निशाना साधा। सीएम ने कहा कि मुंबई में लड़ाई सिर्फ मराठी जनता की नहीं, बल्कि यह इन दो पार्टी नेताओं के अस्तित्व की भी लड़ाई है। उनका कहना है कि इस चुनाव में राज ठाकरे सबसे बड़े हारने वाले होंगे, जबकि उद्धव ठाकरे को इसका फायदा मिलेगा।

उन्होंने उद्धव पर आरोप लगाया कि यदि उद्धव मुंबई में वापस आए तो मस्जिदों में लाउडस्पीकर लगाए जाएंगे। साथ ही कहा कि उद्धव मुस्लिम समुदाय के सामने झुकते हैं और उनकी इच्छा पूरी करते हैं। फडणवीस ने कहा कि हिंदी और अंग्रेजी में बोलना मराठी के खिलाफ नहीं, मराठी उनके लिए सर्वोच्च है। उन्होंने यह भी कहा कि उद्धव और उनके बच्चे बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल में पढ़ते हैं, फिर भी मराठी भाषा का सम्मान करने की बात करते हैं।

अजित पवार को लेकर भी बोले सीएम

अजित पवार के साथ संबंधों को लेकर भी खुलकर बातचीत की। सीएम ने अजित पवार को दादा कहकर संबोधित करते हुए कहा कि हम फ्रेंडली फाइट करते-करते थोड़ा अनफ्रेंडली हो गए। उन्होंने हमारे ऊपर कुछ बातें कही और हमने भी कुछ कहा। बता दें कि चुनावी प्रचार प्रसार के दौरान भाजपा और अजित पवार की एनसीपी के बीच संबंधों में तनाव देखने को मिला। इतना ही नहीं पवार और फडणवीस एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी करते दिखें।

ममता बनर्जी पर भी साधा निशाना

इस दौरान फडणवीस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी पहले बंगाल में आते हैं, वहां की सरकार की मदद से दस्तावेज़ बनवाते हैं और फिर मुंबई में पहचानने की जरूरत पड़ती है।

बीजेपी अध्यक्ष पद पर नितिन नवीन की ताजपोशी तय, पीएम मोदी बनेंगे पहले प्रस्तावक

नई दिल्ली। नितिन नवीन, जिन्हें दिसंबर में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया था, 19 जनवरी को अपना नामांकन दाखिल करेंगे और 20 जनवरी को अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों, सभी राज्य भाजपा अध्यक्षों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों और वरिष्ठ भाजपा नेताओं को दिल्ली में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नाम की घोषणा करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए तीन सेट नामांकन दाखिल किए जाएंगे। एक सेट पर 20 से अधिक निर्वाचित राज्य भाजपा अध्यक्षों के हस्ताक्षर होंगे। दूसरे सेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के हस्ताक्षर होंगे।

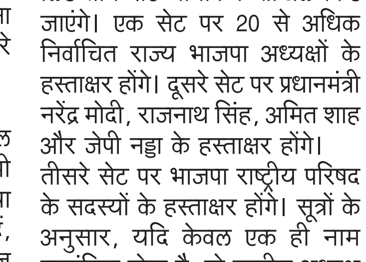

तीसरे सेट पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे। सूत्रों के अनुसार, यदि केवल एक ही नाम नामांकित होता है, तो राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा उसी दिन कर दी जाएगी। सूत्रों ने आगे बताया कि भाजपा अध्यक्ष चुनाव की तैयारियों के संबंध में जेपी नड्डा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो गई है।

कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन, बी.एल. संतोष, सुनील बंसल, अरुण सिंह और तरुण चुघ बैठक में उपस्थित हैं। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक 19 और 20 जनवरी को होने वाले भाजपा अध्यक्ष चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए है। भाजपा ने पिछले साल दिसंबर में बिहार के मंत्री और पांच बार के विधायक नितिन नबीन को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा फिलहाल राष्ट्रीय पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। नबीन की नियुक्ति को पार्टी द्वारा युवा नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद से नितिन नबीन तमिलनाडु, असम, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

सम्पादकीय

एक जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय और देश विरोधी गैंग सक्रिय

माननीय सुप्रीमकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मुख्य आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे। इसी केस में उमर और शरजील के 5 साथियों को 12 कड़ी शर्तो के साथ जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उमर और शरजील इमाम पर कड़ी टिप्पणियां करी हैं। अब ये दोनों अभियुक्त आने वाले एक साल में जमानत के लिए अपील भी नहीं कर पाएंगे।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगे अत्यंत वीभत्स दंगो में से एक थे। इस दंगे में मारे गए 53 निर्दोष लोगों में एक युवा आईबी अधिकारी अंकित शर्मा, पौढ़ी गढ़वाल से पांच महीने पहले आया गरीब माता का बेटा दिलबर नेगी और दो पुलिस कर्मी भी शामिल थे। ऐसे कुख्यात दंगों के अपराधियों को जमानत न मिलने पर सर्व साधारण में संतोष का भाव है किन्तु कुछ लोग इस पर भी तुष्टीकरण की रोटियां सेंकते हुए उमर खालिद और शरजील इमाम के लिए न केवल आंसू बहा रहे हैं वरन अनर्गल प्रलाप भी कर रहे हैं।

शरजील इमाम केवल दिल्ली दंगों का ही अपराधी नहीं है वरन चिकन नेक तोड़कर पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने कि बात करने वाला देशद्रोही है। शरजील इमाम भारत को खंड -खंड मे विभाजित देखना चाहता हैं। भारत के जो विपक्षी दलो ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने पर उसको सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं क्या वे इन विचारों से सहमत हैं?

दरअसल उमर व शरजील के साथ खड़े लोग अपनी कुंठा और हताशा को ही जगजाहिर कर रहे हैं। इस कुंठित टोली मे कोई जमानत न मिलने को कायरता पूर्ण कार्रवाई कह रहा है तो कोई इसे बेतुका बता रहा है जबकि कोई इसे अत्याचार बता रहा है। एक ने तो सारी लज्जा त्यागते हुए इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन बता दिया। एक व्यक्ति ने कहा कि 5 साल से अधिक बिना किसी दोष साबित हुए जेल में रखना बर्बरता बता दिया। यह बात भारतीय जनमानस के समझने योग्य है कि इन सेक्युलर नेताओं को सुप्रीम कोर्ट का फैसला बर्बर लग रहा है। अमेरिकी अब्राहम लिंकन ने एक बार कहा था कि जो अदालतों के अधिकार व उनके फैसलों को नकारता है वह राष्ट्र की नींव को नकारता है।

इस तुष्टीकरण गैंग से पूछा जाना चाहिए कि आज देश में 4 लाख 34 हजार 302 विचाराधीन कैदी हैं जो सजा पाए बिना जेल में बंद हैं। करीब 26 हजार ऐसे कैदी हैं जो 3 से 5 साल तक जेल में बंद हैं और करीब साढ़े 11 हजार ऐसे कैदी हैं जो 5 वर्षों से अधिक समय से जेल में बंद हैं। यह आंकड़े केवल 2020 तक के ही हैं । इंडिया जस्टिस रिपोर्ट- 2025 के अनुसार यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसमें भी अधिकांश बंदी जन गरीब, दलित अल्पसंख्यक व महिला समाज के हैं। इन कैदियों के लिए टुकड़े टुकड़े गैंग के समर्थकों का मन कभी नहीं छटपटाता है। यह लोग उन उमर खलिद और शरजील इमाम के लिए रो रहे हैं जिनकी जमानत के फैसले से पूर्व ही न्यूयार्क के मेयर ममदानी का एक आपत्तिजनक पत्र सार्वजनिक हो गया था। ममदानी के पत्र से पता चलता है कि भारत के खिलाफ कितनी गहरी साजिशें रची जा रही हैं। यूएपीए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया शरजील इमाम राष्ट्र द्रोही व घातक व्यक्ति है।

चिंता का विषय है कि उमर खालिद और शरजील इमाम के बचाव में अदालत में जो लोग खड़े हुए हैं वह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं अपितु देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और प्रभावशाली व्यक्ति हैं। इनमें कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, अश्विनी कुमार जैसे नाम शामिल हैं जिन्होंने कांग्रेस सरकार में बडे मंत्रालय संभाले। इसके अतिरिकत सिद्धार्थ दवे, सिद्धार्थ लूथरा, त्रिदीप पैइस भी इनके वकील रहे।प्रश्न यह उठता है कि 'क्या यह केवल कानूनी सहायता है' या 'किसी विशेष मानसिकता का स्पष्ट संकेत ?'

यह सब चल ही रहा था तभी बीच में जेएनयू के ढपली वालों ने आकर ताल से ताल मिला दी। दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की जमीन से एक बार फिर देश के विरुद्ध आपतिजनक नारे लगे। दस साल पूर्व भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशा अल्लाह -इंशा अल्लाह के नारे लगाए गए थे उसी जगह 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी , अमित शाह तेरी कब्र खुदेगी खुदेगी' जैसे आपत्तिजनक नारे लगाए गए। इस गैंग की नारेबाजी की वजह थी दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत की अर्जी का खारिज होना। कांग्रेस व उसके अन्य विरोधी दलों के नेताओं ने इस प्रदर्शन व नारेबाजी को गुस्से , नाराजगी के प्रकटीकरण का तरीका बता दिया।

दिल्ली दंगो से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण बात यह है कि उस समय दिल्ली में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे। दंगो की जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि हिंसा अचानक नहीं हुई थी आप पार्षद ताहिर हुसैन और विधायक अमानतुल्लाह खान की इसमें बड़ी भूमिका थी, इनकी जांच प्रगति पर है और अभी कोई बरी नहीं हुआ है। केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते सरकारी तौर पर इन तत्वों को बचाने का पूरा प्रयास किया गया और उन्हीं की वजह से आज भी वह जमानत पर घूम रहे हैं। जब तक दिल्ली में केजरीवाल मुख्यमंत्री रहे तब तक उनकी ओर से दिल्ली दंगो की जांच में कोई सहयोग नहीं किया जा रहा था।

आज एक मत–मुंबई के भविष्य के नाम

प्रो. दयानंद तिवारी
(लेखक / शिक्षाविद्)

मुंबई केवल इमारतों, सड़कों और समुद्र का शहर नहीं है। यह देश की आर्थिक राजधानी, अवसरों की प्रयोगशाला और करोड़ों लोगों के सपनों की कर्मभूमि है। यहाँ हर सुबह मेहनत से शुरू होती है और हर रात उम्मीदों के साथ समाप्त होती है। ऐसे महानगर में होने वाला मुंबई महानगरपालिका चुनाव केवल स्थानीय सत्ता का विषय नहीं, बल्कि यह तय करने का अवसर है कि आने वाले वर्षों में यह शहर किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

पिछले कुछ वर्षों में मुंबई ने कई असाधारण परिस्थितियों का सामना किया है। महामारी के कठिन दौर से लेकर बुनियादी ढाँचे पर बढ़ते दबाव तक, हर साल का जलभराव, यातायात की जटिल समस्या, झोपड़पट्टी पुनर्विकास की धीमी प्रक्रिया, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे मुद्दे लगातार सामने रहे हैं। इन सबने एक सच्चाई उजागर की है–मुंबई को अब केवल वादों और आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर ठोस परिणामों की आवश्यकता है।

महानगरपालिका का मूल उद्देश्य स्पष्ट है–नागरिकों को समय पर, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराना। पानी, सड़क, स्वास्थ्य, सफाई, शिक्षा और सुरक्षा जैसे विषय किसी भी वैचारिक बहस से ऊपर होने चाहिए। जब स्थानीय निकाय सत्ता संघर्ष या राजनीतिक टकराव का मंच बन जाते हैं, तब प्रशासनिक निर्णयों की गति धीमी पड़ती है और उसका सीधा असर आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। मुंबई जैसे विशाल और संवेदनशील महानगर के लिए यह स्थिति अत्यंत नुकसानदेह हो सकती है।

शहर के प्रशासन में नीति की स्पष्टता, निर्णयों की गति और जवाबदेही सबसे महत्वपूर्ण होती है। योजनाओं की घोषणा से अधिक ज़रूरी उनका समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन है। विकास का मूल्यांकन नारों या पोस्टरों से नहीं, बल्कि ज़मीन पर दिखाई देने वाले बदलाव से होना चाहिए–बेहतर सड़कें, सुचारु परिवहन, साफ़-सुथरा वातावरण और भरोसेमंद नागरिक सेवाएँ।

मुंबई को आज ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो दृढ़ होने के साथ-साथ दूरदर्शी भी हो। महानगर का संचालन भावनात्मक या प्रतीकात्मक राजनीति से नहीं, बल्कि पेशेवर, संवेदनशील और जिम्मेदार प्रशासन से संभव होता है। स्थानीय निकाय, राज्य और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय से न केवल संसाधनों का सही उपयोग होता है, बल्कि विकास परियोजनाएँ समय पर पूरी होती हैं। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे शहर के लिए यह तालमेल अनिवार्य है।

मराठी मानुष की अस्मिता मुंबई की आत्मा है। उसका सम्मान केवल भाषणों या नारों से नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन, सुरक्षित आवास, स्थायी रोज़गार और बेहतर नागरिक सुविधाओं से सुनिश्चित होता है। साथ ही, यह शहर हर उस व्यक्ति का भी है जो मेहनत और सपनों के साथ यहाँ आता है। परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखना ही मुंबई की वास्तविक ताकत है।

आज का मतदाता पहले से कहीं अधिक जागरूक है। वह समझता है कि अस्थिर नेतृत्व का परिणाम अधूरी परियोजनाएँ, बढ़ती लागत और घटता विश्वास होता है। बार-बार बदली जाने वाली नीतियाँ किसी भी शहर की प्रगति को रोक देती हैं। शहर आंदोलनों से नहीं, समाधान और निरंतरता से आगे बढ़ते हैं।

यह चुनाव इसी प्रश्न का उत्तर है कि क्या महानगरपालिका सेवा का केंद्र बनेगी या सत्ता संघर्ष का अखाड़ा। क्या निर्णय समय पर होंगे या फाइलों में उलझे रहेंगे। क्या विकास योजनाएँ नागरिकों तक पहुँचेंगी या राजनीतिक खींचतान में अटक जाएँगी। इन सभी सवालों का उत्तर एक-एक मत में छिपा है।

मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि नागरिक दायित्व भी है। एक मत यह तय करता है कि शहर की प्राथमिकता क्या होगी–अस्थिरता या स्थिर विकास, अनिर्णय या निर्णायक नेतृत्व। यह चुनाव किसी दल के लिए नहीं, बल्कि मुंबई की आत्मा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए है।

जैसा कहा गया है–

'शहर वही आगे बढ़ते हैं जहाँ नीति चुनाव से बड़ी होती है।'

इसलिए यह मत किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि मुंबई के भविष्य के नाम होना चाहिए।

अंतरिक्ष का कचरा : मानव अंतरिक्ष अभियानों पर मंडराता अदृश्य खतरा

अंतरिक्ष अब मानव सभ्यता की दूरस्थ सीमा नहीं रहा। आज यह हमारे रोजमर्रा के जीवन, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और भू-राजनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। संचार उपग्रहों से लेकर मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और सैन्य निगरानी तक, आधुनिक दुनिया की धड़कन अंतरिक्ष से जुड़ी है। मगर इसी प्रगति के साथ एक ऐसा संकट भी जन्म ले चुका है, जिस पर गंभीरता से चर्चा नहीं होती। वह है-अंतरिक्ष में बढ़ रहा कचरा और उससे अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा को खतरे का मसला। यह केवल तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि मानव जीवन, वैश्विक सहयोग और भविष्य की अंतरिक्ष नीति से जुड़ा प्रश्न है। आज जब दुनिया चंद्रमा, मंगल और उससे आगे मानव की उपस्थिति को लेकर योजना बना रही है, तब यह पूछना अनिवार्य हो जाता है कि क्या हमने पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष को सुरक्षित रखा है?

पिछले छह दशकों में अंतरिक्ष गतिविधियों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। हजारों उपग्रह, सैकड़ों प्रक्षेपण और अनगिनत प्रयोग। इन सबका एक अनचाहा परिणाम है-अंतरिक्ष में फैल रहा मलबा। निष्क्रिय उपग्रह, टकराव से बने टुकड़े और सूक्ष्म कण आज पृथ्वी की कक्षा में एक अनियंत्रित जाल की तरह फैल चुके हैं। समस्या केवल संख्या की नहीं, बल्कि शृंखलाबद्ध खतरे की है। दो वस्तुओं की टक्कर से मलबा और बढ़ता है, जो आगे और टकराव को जन्म देता है। वैज्ञानिक इसे 'केसलर सिंड्रोम' कहते हैं। यानी एक ऐसी स्थिति, जहां कक्षा में मलबा इतना बढ़ जाए कि अंतरिक्ष गतिविधियां ही असंभव हो जाएं। इस परिदृश्य में सबसे पहले और सबसे ज्यादा खतरे में होंगे मानवयुक्त मिशन और अंतरिक्ष यात्री।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) मानव सभ्यता की सबसे जटिल संरचना है। मगर यह उपलब्धि भी एक असुरक्षित वातावरण में टिकी है। लगभग चार सौ किलोमीटर की ऊंचाई पर यह स्टेशन उसी कक्षा में है, जहां सबसे अधिक मलबा मौजूद है। यह विडंबना ही है कि अत्याधुनिक तकनीक से लैस अंतरिक्ष यात्री एक ऐसे वातावरण में काम करते हैं, जहां पेंट का एक कण भी प्राणघातक बन सकता है। सात से आठ किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से घूमता मलबा किसी भी मानवीय प्रतिक्रिया से कहीं तेज है। यानी खतरे की स्थिति में निर्णय का समय सेकंड से भी कम होता है। यहां यह सवाल उठता है कि क्या हम अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा को केवल तकनीकी प्रबंधन का विषय मान कर संतुष्ट हो सकते हैं या यह एक गहरे नीति-स्तरीय हस्तक्षेप की मांग करता है?

आज अंतरिक्ष मलबे से बचाव का सबसे अहम आधार है- निगरानी और पूर्व चेतावनी। शक्तिशाली रडार और दूरबीन हजारों वस्तुओं की निगरानी करते हैं। मगर इस व्यवस्था की एक मौलिक सीमा है। केवल बड़े टुकड़ों का ही सटीक रूप से पता किया जा सकता है। लाखों छोटे कण ऐसे हैं, जो निगरानी तंत्र से बाहर हैं। मगर उनके टकराने की संभावना बनी रहती है। इसका अर्थ यह हुआ कि अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा एक आंशिक जानकारी पर आधारित है, पूर्ण नियंत्रण पर नहीं। जब पृथ्वी की कक्षा में घूमता कोई अंतरिक्ष मलबा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बहुत पास से गुजरने वाला होता है, तब स्टेशन की कक्षा को थोड़ी देर के लिए बदला जाता है।

यह उपाय अब अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा का एक नियमित हिस्सा बन चुका है। मगर यही तथ्य अपने-आप में यह बताने के लिए काफी है कि अंतरिक्ष कचरे की समस्या कितनी गंभीर हो चुकी है। कक्षा बदलना देखने में भले ही एक छोटा सा तकनीकी कदम लगे, लेकिन इसके पीछे बड़ी कीमत छिपी होती है। अंतरिक्ष स्टेशन अपने आप नहीं घूमता, बल्कि उसे सही कक्षा में बनाए रखने के लिए लगातार ईंधन की जरूरत पड़ती है। जब भी स्टेशन को ऊपर या नीचे किया जाता है, तो इंजन चलाए जाते हैं। इससे कीमती ईंधन खर्च होता है। यह ईंधन सीमित होता है और भविष्य की आपात स्थितियों के लिए भी बचा कर रखना पड़ता है। यानी हर बार कक्षा बदलने से स्टेशन की जीवन अवधि थोड़ी कम हो जाती है। इसका दूसरा असर स्टेशन के संसाधनों पर पड़ता है। कक्षा बदलने की प्रक्रिया के दौरान वैज्ञानिक प्रयोगों को रोकना पड़ता है।

दीर्घकालिक अभियानों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को दशकों तक काम करने के लिए तैयार किया गया है। मगर बार-बार होने वाले कक्षा परिवर्तन उसकी संरचना, उपकरणों और योजनाओं पर दबाव डालते हैं। जितनी बार ऐसे बदलाव होंगे, उतना ही अधिक जोखिम भविष्य के अभियानों के लिए पैदा होगा। दूसरे शब्दों मे कहें तो मलबे से बचने की कोशिश करते-करते हम खुद अपनी अंतरिक्ष क्षमता को सीमित कर रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि कक्षा बदलना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि उसका अस्थायी इलाज है। अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा बदलने की बढ़ती घटनाएं एक बड़ी चेतावनी हैं। वे बताती हैं कि अंतरिक्ष में कचरे का बढ़ता दायरा अब भविष्य का खतरा नहीं, बल्कि वर्तमान की समस्या बन चुका है।

इसलिए कक्षा बदलने को तकनीकी सफलता मानने के साथ-साथ इसे एक चेतावनी संकेत के रूप में भी देखना जरूरी है कि अंतरिक्ष को हमने जितनी तेजी से इस्तेमाल किया है, उतनी ही तेजी से उसे साफ और सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। हालांकि अंतरिक्ष स्टेशन को विशेष ढालों से सुरक्षित किया गया है, जो छोटे मलबे को झेल सकती हैं, लेकिन बड़ा मलबा अब भी गंभीर खतरा बना हुआ है। आपात स्थितियों के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को कठोर प्रशिक्षण दिया जाता है। मगर यह प्रशिक्षण भी उस स्थिति में सीमित हो जाता है, जब टकराव अचानक और विनाशकारी हो। अंतरिक्ष में बढ़ते कचरे से निपटने का स्थायी समाधान बचाव नहीं, बल्कि सफाई है। मगर यही वह बिंदु है, जहां वैश्विक राजनीति और राष्ट्रीय हित आड़े आ जाते हैं। किसका मलबा हटाया जाए? कौन खर्च उठाए? क्या किसी देश का निष्क्रिय उपग्रह दूसरे देश द्वारा हटाया जा सकता है? ये सवाल तकनीक से ज्यादा राजनीतिक हैं। जब तक अंतरिक्ष को साझा विरासत मान कर संयुक्त जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, तब तक मलबा हटाने की पहल सीमित प्रयोगों तक ही सिमटी रहेगी।

भारत गगनयान मिशन की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ है कि अंतरिक्ष मलबा अब भारत के लिए भी सैद्धांतिक नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष मानवीय जोखिम बन चुका है। यह चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि लापरवाही भविष्य में भारी पड़ सकती है। अवसर इसलिए कि भारत जिम्मेदार और नैतिक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में वैश्विक नेतृत्व दिखा सकता है। अंतरिक्ष मानवता की साझा संपदा है, न किसी एक देश की और न किसी एक पीढ़ी की। इसने हमें संचार, विज्ञान और भविष्य के सपने दिए हैं, लेकिन आज वही अंतरिक्ष मलबे से भरता जा रहा है। अंतरिक्ष को गंदा करना आसान है, पर सुरक्षित रखना कठिन। इसके लिए दूरदर्शिता चाहिए, ताकि तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर भविष्य को बचाया जा सके। संयम चाहिए, ताकि हर देश जिम्मेदारी से व्यवहार करे और वैश्विक सहयोग चाहिए, क्योंकि अंतरिक्ष किसी सीमा में नहीं बंधा है।

पुलिस पर पथराव की सजा है बुलडोजर नीति

पुलिस का दायित्व है कानून–व्यवस्था बनाए रखना और कानूनों की पालना कराना। ऐसे में पुलिस की जिम्मेदारी निभाने के दौरान यदि पुलिसकर्मियों पर हमला हो तो मानना चाहिए कि देश का एक तबका कानून और अदालतों पर भरोसा नहीं रखता है। दिल्ली में तुर्कमान गेट पर अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान यही हुआ। विपक्षी राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अब चुनावी रोटियां सेकने में लगे हुए है। अल्पसंख्यक वोट की राजनीति के कारण ऐसे हालात पैदा होते हैं। दिल्ली महानगर निगम ने हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना में तुर्कमान गेट के पास फैज–ए–इलाही दरगाह के बाहर अतिक्रमण हटाने गए दस्ते और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन पर हुई पत्थरबाजी के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

यह पहला मौका नहीं है जब अल्पसंख्यक इलाके में अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और कार्मिकों को पथराव का सामना करना पड़ा हो। इस वर्ष के शुरूआत में ही देश में कई स्थानों पर अल्पसंख्यक इलाकों में अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासन पर सुनियोजित तरीके से हमले किए गए। इसके बाद पुलिस ने सख्ती का इस्तेमाल कर पत्थरबाजों के अवैध अतिक्रमण ढहाए। जयपुर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर चौमूं बस स्टैंड के पास स्थित कलंदरी मस्जिद के सामने लंबे समय से पत्थर पड़े हुए थे। इसके अलावा यहां रेलिंग बनाई गई थी, जो कथित तौर पर अवैध थी। 25 दिसंबर 2025 की रात मस्जिद कमेटी और नगर निगम के बीच इन रेलिंग और पत्थरों को हटाने पर सहमति बनी थी। इसके बाद पुलिस ने रेलिंग हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। इससे भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू-गैस का छिड़काव और लाठीचार्ज कर स्थिति को संभाला था। इसके बाद अतिक्रमण वाली जगहों पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई में 25 मकानों में बनी करीब 40 दुकानों के बाहर तोड़फोड़ की गई है तीन कंपलेक्स को सीज किया गया है।

उत्तर प्रदेश में ऐसे अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थरबाजी करना अब आसान नहीं रहा है। दरअसल पत्थरबाजों को समझ में आ गया है योगी सरकार उनके अवैध घरों–व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर चलवाए बिना नहीं मानेगी। यही वजह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में अवैध निर्माणों को सील किया है। प्राधिकरण ने गोमती नगर विस्तार और चिनहट इलाके में अभियान चलाया है, जिसमें 4 अवैध निर्माण को सील किया गया है। वहीं, दुबग्गा इलाके में लखनऊ विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया है। यहां 85 बीघा क्षेत्रफल में 7 अवैध प्लाटिंग की जा रही थीं, जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है।

पत्थरबाज अतिक्रमी कानून हाथ में लेने पर उत्तर प्रदेश सरकार का सख्त रवैया संभल में देख चुके हैं। संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद अदालत के आदेश पर मस्जिद के आसपास बड़े पैमाने पर बिजली चोरी और अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध कनेक्शन काटे गए और कब्जे हटाए गए। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क के इलाके में बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी। संभल में हिंसा के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। करीब दर्जनभर अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि संभल या किसी अन्य जिले में किसी को भी अराजकता फैलाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। संभल का एक भी दंगाई बख्शा नहीं जाना चाहिए।

इसी तरह प्रयागराज हिंसा के बाद, मुख्य आरोपी जावेद अहमद के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। नमाज के बाद भड़की हिंसा मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप के घर पर रविवार दोपहर बुलडोजर चलाया गया। जावेद के दो मंजिला आलीशान मकान पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। सपा नेता आज़म खान के जौहर विश्वविद्यालय का उर्दू गेट 9 मार्च 2019 को ध्वस्त कर दिया गया था। आज़म खान ने सरकारी ज़मीन पर मुख्य सड़क का अतिक्रमण करते हुए गेट बनवाया था। गेट के निर्माण में लगभग 40 लाख रुपये खर्च हुए थे, जिसे भाजपा के सत्ता में आने के बाद ध्वस्त कर दिया गया। लखनऊ के अकबर नगर में विध्वंस अभियान के दौरान 1, 200 से अधिक अवैध ढाँचे ध्वस्त किए गए। कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार परियोजना के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लखनऊ के अकबर नगर में अब तक 1, 200 से अधिक अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया जा चुका है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि जिन राज्यों में भाजपा का शासन है, वहां पत्थरबाजों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है। इसके विपरीत विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में अलबत्ता तो ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए ही नहीं गए। यदि चलाए भी गए तो पत्थरबाजों के प्रति नरम रवैया अपनाया गया। हरियाणा में भाजपा की सरकार है। यहां पर भी पत्थरबाजों की इमारतों पर बुलडोजर चला कर सरकार ने संदेश दिया कि कानून हाथ में लेने वालों की खैर नहीं है। हरियाणा के नुंह में ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के दौरान भड़की हिंसा के बाद 600 से ज्यादा अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए। पूरे हरियाणा में करीब 104 एफआईआर दर्ज की गई। करीब 216 गिरफ्तारियां हुई।

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने पत्थरबाजों को नहीं बख्शा। मध्य प्रदेश के छतरपुर में थाने पर पथराव करने की घटना सामने आई थी। भीड़ को पथराव के लिए उकसाने वाले हाजी शहजाद अली की कोठी पर बुलडोजर चलाया गया। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के एक समूह ने गांधीनगर शहर से 38 किमी दूर बहियाल गांव में एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कई दुकानों और वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और पथराव किया। पुलिस ने गांव में हुई झड़प और दंगे के लिए लगभग 60 लोगों को हिरासत में लिया था। गांधी नगर में गरबा पर पथराव करने वालों के 186 अवैध इमारत जमीदोंज कर दी गई।

हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 और 2023 में भारत में लगभग 1.5 लाख घरों (1, 53, 820) को गिराया गया, जिससे 7.4 लाख से ज़्यादा लोग बेदखल हुए। यह आंकड़े 2022 (46, 371 घर) और 2023 (107, 449 घर) के डेटा पर आधारित हैं और कई कारणों जैसे अवैध निर्माण, शहरी विकास और अन्य प्रशासनिक वजहों से ये घर ध्वस्त हुए। ये घर बुलडोजर कार्रवाई, अवैध निर्माण, शहरी नियोजन, और अन्य प्रशासनिक निर्णयों के कारण गिराए गए। 'भारत में बुल्डोजर अन्याय' और 'भारत के बुल्डोजर अन्याय में जेसीबी की भूमिका और जिम्मेदारी' नाम से दो रिपोर्ट एमनेस्टी इंटरनेशनल जारी की। इन रिपोर्ट्स में बताया गया है कि अप्रैल और जून 2022 के बीच लगभग 128 संपत्तियों पर बुल्डोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई।रिपोर्ट में बताया गया है कि असम, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली वो पांच राज्य हैं, जहां धार्मिक हिंसा और प्रदर्शनों के बाद मुस्लिम समुदाय के खिलाफ सरकार की भेदभावपूर्ण नीति देखने को मिली है और यहां सजा के तौर पर संपत्ति की तोड़फोड़ की गई है। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र नहीं किया गया कि किस तरह अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासनिक दस्ते पर पथराव किए। हिंसा भड़काने के

मकर संक्रांति स्नान पर्व के पूर्व संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं का आगमन, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के अंतर्गत मकर संक्रांति स्नान पर्व के पूर्व आज दिनांक 14.01.2026 को प्रातःकाल से ही संगम क्षेत्र सहित विभिन्न स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं का आगमन प्रारम्भ हो गया, जो दिनभर जारी रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा संगम में स्नान किया गया।

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन एवं सुरक्षित स्नान को सुनिश्चित करने हेतु मेला क्षेत्र में व्यापक पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था की गई है। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में नागरिक पुलिस, यातायात पुलिस, महिला पुलिसकर्मी, घुड़सवार पुलिस, पीएसी, अग्निशमन दल एवं एटीएस के कमांडो तैनात किए गए हैं। संगम क्षेत्र में मोटर बोटों एवं प्रशिक्षित गोताखोरों की भी तैनाती की गई है।

संगम सहित अन्य प्रमुख स्नान घाटों पर स्टीमर के माध्यम से निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है तथा श्रद्धालुओं से सावधानीपूर्वक स्नान करने का अनुरोध किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में आवागमन को सुचारु बनाए रखने हेतु निकटवर्ती पार्किंग स्थलों की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को अनावश्यक पैदल दूरी न तय करनी पड़े।

पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज जोगेन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय एवं नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला द्वारा मेला क्षेत्र में निरंतर भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं का पर्यवेक्षण किया जा रहा है।

मेला क्षेत्र में पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि वे निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें, किसी भी लावारिस वस्तु को न छुएँ तथा स्नान उपरांत व्यवस्थित रूप से अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें।

पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा भ्रमण के दौरान ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों की तैनाती की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है।

सकुशल एवं सुरक्षित स्नान सुनिश्चित करने हेतु सभी अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारीगण एवं प्रशासनिक अधिकारी मेला क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रूप से तैनात हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हो रही हत्या के विरोध में संतों में है नाराजगी

पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज ने कहा माघ मेले के बाद जाऊंगा बांग्लादेश

दक्षिण भारत की यात्रा से मेले में पहुंचे, कहा- बांग्लादेश जाकर वहां के हिंदुओं से करेंगे वार्ता

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरुशंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ जी महाराज ने भी इस पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा, जिस तरह से बांग्लादेश में आज हिंदुत्व खतरे में है, इससे हिंदू समाज आक्रोशित है। अब समय आ गया हिंदुओं को उठने का और खुद को बचाने का।

बातचीत में अधोक्षजानंद महराज ने कहा, माघ मेले में कल्पवास के बाद हमने बांग्लादेश जाने का निर्णय लिया है। स्वतः अपने हिंदू भाईयों से मुलाकात करूंगा और उनका हौसला आफजाई करूंगा। वहां की सरकारी तंत्र से वार्ता करूंगा कि हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को किस तरह से रोका जाए। वहां

की वर्तमान सरकार अभी तक इसे रोकने में नाकाम साबित हुई है। इसलिए वहां जल्द से जल्द चुनाव कराने जाने की आवश्यकता है। वहां कुछ शक्तियां हैं जो चुनाव में बाधा डालने का प्रयास कर रही है लेकिन वहां मौजूदा समय में चुनी हुई सरकार का लाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा इसके लिए हमने भारत सरकार को भी पत्र लिखा है।

पुरी पीठाधीश्वर स्वामी अधोक्षजानंद महराज ने बताया कि हमारा पिछले तीन सालों से अखंड भारत का भ्रमण चल रहा है। इसमें भारत के विभिन्न प्रांतों व गांवों में जाकर लोगों को सनातन धर्म के बारे में बताया जा रहा है। इसमें वो देश भी शामिल हैं जो कभी अखंड भारत के अंग थे लेकिन आज अलग देश के रूप में स्थापित हैं। वहां की प्रजाएं जो वो आज भी सनातन के प्रति, वेदों के प्रति जुड़ी हुई हैं। हम उन्हें जागरूक करने का काम कर रहे हैं।

दक्षिण भारत की यात्रा करने के बाद हम सीधे माघ मेले में पहुंचे हैं। यहां हमारे शिविर में मकर संक्रांति से वैदिक यज्ञ और हवन का आयोजन चलेगा। देश के अलग अलग राज्यों से यहां यजमान आएंगे और इसमें हिस्सा लेंगे। राष्ट्र व हिंदुत्व की रक्षा के लिए भी यहां यज्ञ का आयोजन होगा।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक।

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

कार्यकर्ताओं ने महापौर का किया गर्म जोशी से स्वागत

मुंबई बीएमसी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी : गणेश केसरवानी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महापौर गणेश केसरवानी का मुंबई बीएमसी चुनाव के पश्चात मुंबई से प्रयागराज आगमन पर बमरौली एयरपोर्ट पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि महापौर गणेश केसरवानी बीएमसी चुनाव को लेकर भाजपा राष्ट्रीय संगठन के द्वारा प्रवासी बनाकर मुंबई भेजा गया था इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने बताया कि बीएमसी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी एवं शिवसेना शिंदे की लहर चल रही है और ट्रिपल इंजनकी सरकार बनेगी। स्वागत करने वालों में गिरी बाबा राजेश केसरवानी विवेक अग्रवाल राबिन साहू, आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पार्टी मनाकर लौट रहे जिम संचालक की सड़क हादसे में मौत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दोस्तों के साथ पार्टी मनाकर मंगलवार देर रात घर लौट रहे जिम संचालक की मोहनी चौराहे के समीप सड़क हादसे में मौत हो गई। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में बाइक पर बैठे दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। धूमनगंज थाना क्षेत्र के झलवा निवासी जिम संचालक 30 वर्षीय नवरंग यादव मंगलवार रात अपने दोस्तों के साथ एयरपोर्ट क्षेत्र में पार्टी मनाने गया था। देर रात करीब दो बजे नवरंग अपने मित्र 27 वर्षीय आशुतोष गुप्ता और 26 वर्षीय शौर्य चतुर्वेदी के साथ एक ही बाइक से घर लौट रहा था।

पीछे से दूसरी बाइक पर प्रियांशु सिंह अपनी महिला मित्र के साथ चल रहा था। मोहनी चौराहे के पास अचानक बाइक असंतुलित होकर डिवाइडर से जा टकराई। तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एयरपोर्ट थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजवाया, जहां डॉक्टरों ने नवरंग यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल आशुतोष गुप्ता को भर्ती कर लिया गया, जबकि शौर्य चतुर्वेदी का प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस के अनुसार, आशुतोष निजी नौकरी करता है, जबकि शौर्य चतुर्वेदी और प्रियांशु सिंह प्रयागराज के झलवा में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। प्रियांशु सिंह देवघर (झारखंड) का रहने वाला है। उसके साथ रही युवती उसकी पूर्व परिचित है, जो दिल्ली में रहकर सीए की तैयारी कर रही है और माघ मेला घूमने प्रयागराज आई थी। इधर, नवरंग यादव की मौत की खबर मिलते ही उसकी मां उषा देवी, भाई रवि यादव और कुंवर सिंह यादव समेत परिजन बदहवास हो गए। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बाइक के डिवाइडर से टकराने की बात सामने आई है। घटना के कारणों की पुष्टि के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

मारपीट के आरोप में छह नामजद, बुजुर्ग व नातिन घायल

थरवई। थाना क्षेत्र के सोपराबारी गांव में नीम के पेड़ की कीमत को लेकर हुए विवाद में मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित दौलत राम (80) पुत्र सूरजदीन निवासी सोपराबारी ने बताया कि उन्होंने अपने घर के सामने स्थित नीम का पेड़ चार हजार रुपये में विपक्षी को बेचा था। रुपये मांगने पर विपक्षी विजय यादव पुत्र राजकरन यादव सहित उसके परिजनों ने एक सप्ताह पूर्व उनके साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।बीच-बचाव के लिए पहुंची उनकी नातिन सलोनी को भी आरोपितों ने लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद गांव के लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सीएचसी बहरिया पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया।थरवई पुलिस ने पीड़ित दौलतराम की तहरीर पर विपक्षी विजय यादव सहित छह लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महाकुंभ 2025 की सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान पर डीआईजी उदय प्रताप सिंह सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ 2025 प्रयागराज की सुरक्षा व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य और विशिष्ट योगदान के लिए सीआरपीएफ के डीआईजी उदय प्रताप सिंह को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडल और सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।बताया जाता है कि महाकुंभ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में डीआईजी उदय प्रताप सिंह की भूमिका सराहनीय रही। उनके कुशल नेतृत्व, अनुशासन और प्रभावी रणनीति के चलते सुरक्षा व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रहा ।गौरतलब है कि वर्ष 2025 में उदय प्रताप सिंह सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला में कमांडेंट के पद पर तैनात थे। कुछ माह पूर्व उन्हें विभाग ने पदोन्नति देकर कमांडेंट से डीआईजी बनाया गया, है जिसके बाद वर्तमान में वह सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र सिलचर आसाम में डीआईजी के पद पर कार्यरत हैं। उनके सम्मानित होने पर सीआरपीएफ अधिकारियों, जवानों और शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है

माघ मेला क्षेत्र में खोया पर्स पुलिस द्वारा लौटाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र स्थित संगम तट पर अपने परिवार के साथ स्नान हेतु आए साईं दास पुत्र बी.एम. दास, निवासी कटक, उड़ीसा का पर्स दिनांक 13.01.2026 को स्नान के दौरान संगम घाट के आसपास कहीं गिर गया। उक्त पर्स में ?30, 100/- नगद धनराशि एवं आवश्यक कागजात थे। काफी खोजबीन के उपरांत पर्स न मिलने पर साईं दास द्वारा थाना संगम में सूचना दी गई।

सूचना प्राप्त होने पर थाना संगम प्रभारी द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों एवं मेला कंट्रोल रूम को अवगत कराते हुए पर्स मिलने की स्थिति में तत्काल सूचना देने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी क्रम में ड्यूटी के दौरान भ्रमणशील संगम पुलिस टीम को घाट क्षेत्र में एक लावारिस पर्स प्राप्त हुआ। पर्स मिलने की सूचना तत्काल थाना संगम को दी गई। थाना प्रभारी द्वारा पर्स में उपलब्ध पहचान पत्र के आधार पर संबंधित व्यक्ति से संपर्क कर उन्हें सूचित किया गया कि उनका पर्स थाना संगम, माघ मेला कार्यालय में सुरक्षित रखा गया है।

तत्पश्चात साईं दास एवं उनकी पत्नी थाना संगम माघ मेला कार्यालय पहुंचे, जहाँ विधिवत पहचान के उपरांत ?30, 100/- नगद धनराशि एवं कागजात सहित पर्स उन्हें सकुशल सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ पर्स एवं धनराशि वापस पाकर साईं दास एवं उनकी पत्नी द्वारा पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर नीरज कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा इस कार्य को ड्यूटी के प्रति सजगता एवं ईमानदार प्रयास का उदाहरण बताते हुए थाना संगम प्रभारी एवं उनकी टीम की सराहना की गई।

किन्नर संतों ने किया संगम स्नान आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी का आगमन आज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा के संतों ने संरक्षक / महंत दुर्गादास महराज के सानिध्य में मकर संक्रांति पर आज विधि विधान से पूजन कर संगम स्नान किया। इस दौरान उप्र किन्नर कल्याण बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और महामण्डलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि (किरन बाबा), महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां), महामण्डलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी गिरिनारी नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि, श्रीमहंत सरस्वतीनंद गिरि, सोनाली नंद गिरि, भूतनाथ नंद गिरि, पिंकीनंद गिरि, हिना नंद गिरि सहित बडी संख्या मे शिष्यगण थे।

संरक्षक / महंत दुर्गादास महराज ने बताया कि किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज का आगमन मेला क्षेत्र में लगे शिविर मे गुरूवार की शाम चार बजे होगा, वह बसंत पंचमी तक मेला क्षेत्र मे लगे शिविर में रहेगी।

मकर संक्रान्ति की अनेकानेक शुभकामनायें

परमार्थ गंगा तट पर विश्व के अनेक देशों से आये श्रद्धालुओं, पर्यटकों, योग जिज्ञासुओं ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती के पावन सान्निध्य में गंगा जी में डुबकी लगकर मनायी मकर संक्रान्ति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। मकर संक्रान्ति भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पावन पर्व है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश और उत्तरायण की शुभ शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान को विशेष महत्व है। आज परमार्थ निकेतन गंगा तट पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, ऋषिकुमारोंऔर विश्व के अनेक देशों से आये श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोपचार के साथ गंगा जी में डुबकी लगायी। शास्त्रों के अनुसार, मकर संक्रान्ति पर गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी, नर्मदा एवं अन्य पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। यह स्नान केवल शरीर की नहीं, बल्कि मन, विचार और संस्कारों की भी शुद्धि का माध्यम भी है। उत्तरायण काल को देवताओं का मार्ग कहा गया है, इसलिए इस समय किया गया स्नान, दान और जप विशेष फलदायी होता है।

इस अवसर पर पतंग उड़ाना भी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि वह हमें संदेश देता है कि ऊँचाई पर पहुँचने के लिए संतुलन, धैर्य और सही दिशा आवश्यक है। यदि डोर ढीली हो, तो पतंग गिर जाती है; यदि अत्यधिक खिंचाव हो, तो टूट जाती है। जीवन भी इसी संतुलन का नाम है।

आज के आधुनिक युग में, जब तकनीक, संबंध, जीवनशैली में परिवर्तन तीव्र गति से हो रहा है तब मकर संक्रांति हमें परिवर्तन से डरने के बजाय उसे चेतना के साथ अपनाने और परिवर्तन ही प्रगति का द्वार है का संदेश देती है। जीवन रुकने व थकने का नहीं बल्कि सूर्य की तरह आगे बढ़ते रहने व प्रकाश देने का संदेश देती है।

कामधेनु लिमिटेड पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत करेगा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत की सबसे बड़ी निर्माता और रिटेल में ब्रांडेड टीएमटी बार की विक्रेता, कामधेनु लिमिटेड ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्ट्रक्चरल स्टील सेगमेंट की अपनी बाजार हिस्सेदारी को और मज़बूत करने के लिए व्यापार रणनीति की घोषणा की। इस रणनीति के अनुसार, कंपनी एक वर्ष में पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपने स्ट्रक्चरल स्टील की उत्पादन क्षमता को लगभग 15-20प्रतिशत और बढ़ाने की योजना बना रही है। कामधेनु ने गुणवत्ता वाले निर्माण सामग्री के निर्माता और आपूर्तिकर्ता के रूप में खुद को प्रमुख बना लिया है जो उपभोक्ताओं के लिए किफायती मूल्य स्तर पर है।

कामधेनु लिमिटेड के निदेशक, सुनील अग्रवाल ने कहा पूर्वी उत्तर प्रदेश कामधेनु लिमिटेड के विकास के लिए महत्वपूर्ण बाजार है जहां इंफ्रास्ट्रक्टर और निर्माण उद्योग के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं। कामधेनु संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट में पहले से ही देश में मजबूत मौजूदगी रखता है और इस विस्तार रणनीति के साथ, हम पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक ठोस बाजार हिस्सेदारी को पकड़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

KAMDHENU GROUP
Sampurna Suraksha Ki Guarantee

ज़ी टीवी कलाकारों ने मनाया लोहड़ी के जज्बे का जश्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। लोहड़ी उत्तर भारत का एक रंगीन और खुशियों से भरा त्यौहार है, जिसे अलाव, संगीत, नाच, गाना और साथ मिलकर मनाया जाता है। यह त्यौहार सर्दियों के सबसे ठंडे दिनों के खत्म होने का संकेत भी देता है और आगे आने वाले लंबे, सुहाने दिनों का स्वागत करता है। इस लोहड़ी पर आपके पसंदीदा ज़ी टीवी कलाकारों ने दिल से जुड़ी शुभकामनाएं साझा की हैं। 'तुम से तुम तक' की निहारिका चौकसे, 'जाने अनजाने हम मिले' की आयुषी खुराना, 'जगद्धात्री' की सोनाक्षी बत्रा और 'गंगा माई की बेटियां' की अमनदीप सिद्धू ने ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों जगह उम्मीद, अपनापन और नई शुरुआत का जश्न मनाया है।

तुम से तुम तक में अनु का किरदार निभा रहीं निहारिका चौकसे ने कहा लोहड़ी की बहुत बहुत शुभकामनाएं। हर त्यौहार मुझे याद दिलाता है कि मैं कितनी दूर तक आ चुकी हूं, शूट और पढ़ाई दोनों संभालते हुए अपने सपनों के पीछे भागने से लेकर आज सेट पर उन दोस्तों के साथ जश्न मनाने तक, जो अब परिवार जैसे लगते हैं। इस लोहड़ी पर आपके जीवन में ढेर सारी खुशी आए, अपनी जड़ों से जुड़ाव बना रहे और आपकी कहानी के हर नए दौर को अपनाने की हिम्मत मिले।'

भिवंडी मनपा चुनाव में 1750 सीसीटीवी और 25 ड्रोन कैमरों से शहर भर की निगरानी

मनपा चुनाव के लिए पुलिस का चाकचौबंद इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर तैनाती

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अतिसंवेदनशील शहर भिवंडी में मनपा चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक और सख्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पूरे शहर में 1750 सीसीटीवी कैमरों और 25 ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी रखी जा रही है। मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने बताया कि मनपा चुनाव के लिए राज्य रिजर्व पुलिस बल की टुकड़ियों के साथ कुल 1646 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 1050 होमगार्ड भी बंदोबस्त में शामिल हैं। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, दो पुलिस उपायुक्त, आठ सहायक पुलिस आयुक्त, 25 पुलिस निरीक्षक और 60 पुलिस उपनिरीक्षक नियुक्त किए गए हैं। शहर में एसआरपीएफ की तीन कंपनियों के साथ आरसीपी

मोबाइल जोन और दो स्ट्राइकिंग फोर्स भी तैनात की गई हैं।

उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों, संवेदनशील इलाकों और सार्वजनिक मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं और शहरवासियों को सतर्क रहने के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

पुलिस उपायुक्त ने कहा कि चुनाव प्रचार के अंतिम चरण और मतदान के दौरान शहर के कुछ हिस्सों में गाली-गलौज और आपसी झगड़ों की घटनाओं को देखते हुए अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक शहर के छह पुलिस थानों की सीमा में 350 से अधिक लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा मनपा क्षेत्र में 305 लाइसेंसी हथियार जमा कराए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस ने 24 आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थानों में मामले दर्ज किए हैं। इस दौरान 10 रिवॉल्वर और 16 धारदार हथियार जब्त किए गए हैं। एक व्यक्ति को एमपीडी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है, जबकि पांच आरोपियों को तड़ीपार किया गया है। चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया गया है। पुलिस ने शहर और आसपास के गांवों में शराब की दुकानों व ठिकानों पर छापेमारी कर 34 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं और 2574 लीटर शराब जब्त की है।पुलिस प्रशासन का कहना है कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, सतत निगरानी और सख्त कार्रवाई के चलते भिवंडी मनपा चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होंगे।

'आचार संहिता के बावजूद महायुति को पैसे बांटने की खुली छूट'; संजय राउत ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति की पार्टियों भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी को घर-घर जाकर प्रचार और पैसे बांटने की खुली छूट दी जा रही है।

डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति

मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा कि नियमों के मुताबिक मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी चुनाव आयोग ने

डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति दे दी, जो सवालों के घेरे में है। राउत ने कहा जब आचार संहिता लागू है और प्रचार खत्म हो चुका है, तब घर-घर जाकर प्रचार की इजाजत देना किस तरह का नियम है? यह सीधे तौर पर भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पैसे बांटने का लाइसेंस देने जैसा है।

संजय राउत ने मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिहार में करीब 60 लाख, उत्तर प्रदेश में 1.25 करोड़ और पश्चिम बंगाल में लगभग 54 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की कटौती से चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा एक राज्य में लाखों वोटरों के नाम हटाना चुनाव की दिशा बदल सकता है। महाराष्ट्र में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि पार्टी निष्पक्ष तरीके से चुनाव नहीं लड़ती। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में हिंदू-मुस्लिम मुद्दा असफल होने के बाद अब मुकाबला ईडी बनाम तृणमूल कांग्रेस में बदल गया है। राउत ने यह भी दावा किया कि तमाम कथित साजिशों के बावजूद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भारी बहुमत से जीतेंगी।

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के लिए मतदान कल

महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को कराए जाएंगे, यह चुनाव एक ही चरण में होंगे। मतदाता चुनाव में आसानी से वोट कर सकें इसके लिए सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की गई है। ग्रेटर मुंबई के सभी पोलिंग स्टेशनों पर सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक वोटिंग होगी। नतीजों की घोषणा 16 जनवरी 2025 को होगी। गौरतलब है कि नामांकन का प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से शुरू हुई थी।

न्यायालय का बड़ा फैसला, ईडी के जमा पैसों के ब्याज से होगी बलिदानी के परिवारों की मदद

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश के लिए जान कुर्बान करने वाले सैनिकों के परिवारों की मदद के लिए एक अहम कदम उठाया है। न्यायालय ने कहा है कि ऐसे परिवारों की सहायता करने की बहुत जरूरत है। इसी के चलते न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक खास निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि ईडी ने जो 46 करोड़ रुपये जमा किए थे, उस पर मिले ब्याज का आधा हिस्सा 'सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष' में जमा किया जाए। यह फैसला जस्टिस ए एस गडकरी और आर आर भोंसले की बेंच ने सुनाया है।

क्या है पूरा मामला?

मामले में ईडी ने 2019 के एक ट्रिब्यूनल आदेश के खिलाफ अपील की थी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। ट्रिब्यूनल ने शापूरजी पल्लोनजी एंड कंपनी लिमिटेड (एसपीसीएल) की 141.50 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्की को रद्द कर दिया था। जब ईडी ने 2019 में अपील की थी, तब हाई न्यायालय ने ट्रिब्यूनल के आदेश पर रोक लगा दी थी। साथ ही, केंद्रीय एजेंसी को 46.5 करोड़ रुपये न्यायालय में जमा करने का निर्देश दिया था।

न्यायालय का अंतिम आदेश

23 दिसंबर, 2025 को न्यायालय ने अपना आखिरी आदेश दिया। इसकी कॉपी इस हफ्ते सामने आई है। हाई कोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सही माना और जमा की गई रकम

एसपीसीएल को वापस करने का आदेश दिया। बेंच ने निर्देश दिया कि 46.5 करोड़ रुपये पर जो ब्याज मिला है, उसका 50 प्रतिशत सेना के कल्याण कोष में दिया जाए। न्यायालय ने कहा कि सैनिकों के बलिदान और देश सेवा करते हुए उन्हें होने वाले नुकसान को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। हाई कोर्ट ने कहा, 'सीमाओं की रक्षा करते हुए जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों और विधवाओं की मदद करने की तत्काल और बहुत जरूरत है।' न्यायालय ने माना कि ब्याज का आधा हिस्सा कल्याण कोष में ट्रांसफर करना सही होगा ताकि सबके साथ न्याय हो सके।

जमीन सौदे से जुड़ा था विवाद

यह मामला एसपीसीएल द्वारा नीलेश ठाकुर और उनकी कंपनियों को दिए गए पैसों से जुड़ा था। कंपनी ने 2005 से अलीबाग और पेन में 900 एकड़ जमीन खरीदने के एग्रीमेंट के तहत पैसे दिए थे। यह सौदा 30 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से हुआ था। ईडी का दावा था कि यह पैसा एक सरकारी कर्मचारी ठाकुर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले से जुड़ा था। एजेंसी ने इसे अपराध की कमाई बताया था।

न्यायालय ने दी कंपनी को दी थी राहत

वहीं, एसपीसीएल ने संपत्ति जब्त करने को चुनौती दी थी। कंपनी ने कहा कि पैसा जमीन खरीदने के एग्रीमेंट के तहत दिया गया था और इसे इनकम टैक्स रिकॉर्ड में एडवांस पेमेंट के तौर पर दर्ज किया गया था। कंपनी ने यह भी दलील दी कि जब पैसे दिए गए, तब ठाकुर लगभग चार साल से बिना मंजूरी की छुट्टी पर थे और सरकारी ड्यूटी नहीं कर रहे थे। जनवरी 2019 में ट्रिब्यूनल ने एसपीसीएल की दलीलों को स्वीकार कर लिया था। ट्रिब्यूनल ने माना था कि इस पैसे को अपराध की कमाई नहीं कहा जा सकता और जब्त संपत्तियों को छोड़ने का आदेश दिया था।

भिवंडी मनपा चुनाव आज - 90 वार्डों के लिए मतदान, 438 उम्मीदवार मैदान में

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका के आम चुनाव के तहत आज शहर के 90 वार्डों में मतदान कराया जा रहा है। इस चुनाव में विभिन्न राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय व स्थानीय दलों के साथ-साथ बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कुल मिलाकर 438 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, जिससे कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय से बहुकोणीय हो गया है।

भाजपा ने 32 प्रत्याशी उतारे, 6 निर्विरोध विजयी....

पिछले मनपा चुनाव में 57 सीटों पर चुनाव लड़कर 19 सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी ने इस बार 32 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इनमें से 6 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। भाजपा ने चुनिंदा वार्डों में मजबूत दावेदारी पेश की है।

कांग्रेस के सबसे ज्यादा 58 उम्मीदवार....

पिछले चुनाव में 64 सीटों पर लड़कर 47 सीटें जीतने वाली कांग्रेस ने इस बार सबसे अधिक 58 प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी ने लगभग सभी प्रमुख वार्डों में उम्मीदवार खड़े कर संगठनात्मक ताकत दिखाने की कोशिश की है।

शिवसेना, एनसीपी के दोनों गुट भी सक्रिय...

शिवसेना के विभाजन के बाद शिवसेना (शिंदे गुट) ने 20 और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) ने 28 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इसी तरह एनसीपी के दोनों गुटों में एनसीपी (अजित पवार) के 24 और एनसीपी (शरद पवार) के 37 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

सपा, एमआईएम और अन्य दलों की भी मजबूत मौजूदगी...

समाजवादी पार्टी ने इस बार 54 उम्मीदवारों के साथ जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई है। एआईएमआईएम ने 16, आरपीआई (एकतावादी) ने 8, वंचित बहुजन आघाड़ी ने 9, जयहिंद सेना ने 5, आम आदमी पार्टी ने पहली बार 7 उम्मीदवार, मनसे ने 2, जबकि कोणार्क विकास आघाड़ी और भिवंडी विकास आघाड़ी ने 4-4 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। इसके अलावा पीस पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और लोकहिंद पार्टी भी सीमित सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं।

निर्दलीयों की बड़ी चुनौती....

इस चुनाव की खास बात निर्दलीय उम्मीदवारों की भारी संख्या है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 23 वार्डों में कुल 121 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। पिछले चुनाव में 169 निर्दलीय उम्मीदवारों में से केवल 2 ही जीत दर्ज कर पाए थे, लेकिन इस बार भी निर्दलीय कई वार्डों में प्रमुख दलों का गणित बिगाड़ सकते हैं।

कई वार्डों में बहुकोणीय मुकाबला...

वार्ड 7, 8, 9, 16, 20 और 22 जैसे वार्डों में उम्मीदवारों की संख्या अधिक होने से मुकाबला काफी रोचक हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार वोटों के बंटवारे का सीधा फायदा मजबूत स्थानीय पकड़ वाले उम्मीदवारों को मिल सकता है.आज होने वाले मतदान के बाद सभी की निगाहें मतगणना पर टिकी होंगी, जो यह तय करेगी कि भिवंडी मनपा की सत्ता पर किस दल या गठबंधन का कब्जा होगा।

भिवंडी मनपा की यंत्रणा मतदान के लिए तैयार,750 मतदान केंद्रों पर 4500 कर्मचारियों की नियुक्ति

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा आयुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी अनमोल सागर ने बताया कि आज 15 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए प्रशासन और चुनाव तंत्र पूरी तरह तैयार हैं। मनपा ने 23 वार्डों में 90 सदस्यों के चुनाव के लिए कुल 750 मतदान केंद्र तैयार किए हैं। मतदान हेतु 820 नियंत्रण इकाइयों और 1640 मतपेटियों का निरीक्षण एवं सीलिंग कार्य पूर्ण हो चुका है।

मतदान के दौरान मतदाताओं के लिए छायादार मंडप, पीने के पानी की सुविधा और ट्रॉली एवं व्हीलचेयर की व्यवस्था भी की गई है। पर्दा प्रथा के तहत आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान करने के लिए 350 महिला कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। अतिरिक्त आयुक्त और आचार संहिता दल के नोडल अधिकारी विठ्ठल डाके के नेतृत्व में छह नोडल अधिकारियों ?की नियुक्ति की गई है। जिन्होंने अब तक दो मामलों में कुल 12 लाख 65 हजार 900 रुपये नकद जब्त किए हैं और आचार संहिता के उल्लंघन के छह मामले दर्ज किए हैं। आचार संहिता दल चुनाव प्रचार के दौरान कहीं भी आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी नजर रख रहा है। चुनाव के लिए कुल 4500 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। चुनाव कार्य के लिए 100 फील्ड अधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है।साथ ही प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे 1294 कर्मचारियों को नोटिस जारी किए हैं। मतदान केंद्र पर तैनात 268 महिला कर्मचारी हेतु मनपा ने उनके आवास की भी व्यवस्था की है।

भिवंडी में 153 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित,173 बिल्डिंगों में बनाए गए 718 बूथ...

अतिसंवेदनशील शहर के रूप में पहचाने जाने वाले भिवंडी शहर में कुल 718 मतदान केंद्रों में से 153 केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है, जो कुल केंद्रों का औसतन 21 प्रतिशत है।जिसमें से सबसे अधिक 58 संवेदनशील केंद्र शांतिनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आते हैं। भिवंडी में चुनाव के दौरान शहर की कुछ विशेष इमारतों और उनमें स्थित मतदान केंद्रों का रिकॉर्ड पुलिस विभाग में हमेशा से 'संवेदनशील' रहा है। इसी के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा इन स्थानों पर विशेष सावधानी बरतते हुए कड़ी निगरानी रखी जाएगी।मनपा जनसंपर्क विभाग के अनुसार मनपा क्षेत्र में मतदान के लिए 173 इमारतों में 718 मतदान केंद्र बनाए गए है।जिसमें से 565 मतदान केंद्र सामान्य व 153 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किया गया है।जो कि शहर में 27 बिल्डिंगों में बनाया गया है।जहां पर मनपा प्रशासन व पुलिस सुरक्षा के विशेष इंतजाम कर रही है ताकि चुनाव को शांति व पारदर्शिता से कराया जा सके।

जमीन जायदाद के लिए ससुर को उतारा मौत के घाट, इंटर-कास्ट शादी बनी कारण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के भंडारा जिले के कोकणागड़ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. 60 साल के किशोर कंगाले नाम के शख्स की हत्या उनके ही दामाद अमित लांजेवार (36) और उसके दोस्त योगेश पाठक (26) ने की. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

घटना 9 जनवरी को उस समय हुई, जब मृतक किशोर कंगाले अपने खेत पर जाने के लिए मोटरसाइकिल से निकले थे. इसी दौरान उनके दामाद और उसके दोस्त ने उन्हें रोक लिया. आरोपियों ने पहले उन्हें पीटा और फिर गला दबाकर हत्या कर दी. हत्या के बाद आरोपी शव को खेत के पास पुल के नीचे पाइप में छिपा गए.

इंटर-कास्ट विवाह बना मर्डर का कारण

मृतक किशोर कंगाले एक सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक थे और उनकी एक ही बेटी है. उनकी बेटी ने अमित लांजेवार से इंटर-कास्ट विवाह किया था. किशोर कंगाले इस विवाह का विरोध करते रहे. दामाद को यह संदेह था कि विवाह के कारण वह और उनकी पत्नी ससुर की संपत्ति के हकदार नहीं होंगे. इसी विवाद ने हत्या को जन्म दिया.

अलग-अलग जगहों से अरेस्ट हुए आरोपी

शव से संपर्क न होने और संदेह बढ़ने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की. आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया. अमित लांजेवार को नागपुर से और योगेश पाठक को रामटेक से हिरासत में लिया गया. दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है और स्थानीय लोग सकते में हैं. पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों से पूरी पूछताछ की जा रही है और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा.

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में वोटों की गिनती के दौरान किसी भी टेक्निकल प्रॉब्लम की हालत में ही 'पादु' का इस्तेमाल किया जाएगा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के लिए इस्तेमाल की गई भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की वोटिंग मशीनों से डाले गए वोटों की गिनती के दौरान किसी भी टेक्निकल प्रॉब्लम की हालत में, रिज़ल्ट देखने के लिए 'पादु' (प्रिंटिंग ऑक्ज़ीलरी डिस्प्ले यूनिट) का इस्तेमाल करने की सुविधा उपलब्ध है। हालांकि, आम तौर पर पादु का इस्तेमाल नहीं

किया जाएगा। टेक्निकल प्रॉब्लम होने पर इसका इस्तेमाल बहुत ही खास मामलों में किया जाएगा, ऐसा राज्य चुनाव आयोग ने साफ़ किया है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की वोटिंग मशीनें सिर्फ़ बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। ये मशीनें भारत के चुनाव आयोग की हैं और 'M3A' टाइप की हैं। इनमें डाले गए वोटों की गिनती बैलेट यूनिट को कंट्रोल यूनिट से जोड़कर की जानी चाहिए, और पादु का इस्तेमाल सिर्फ़ बहुत ही खास मामलों में किया जाना चाहिए, ऐसा राज्य चुनाव आयोग ने आदेश दिया है। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के लिए 140 काउंटिंग मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। बहुत ही खास हालात में, अगर वोट गिनने के लिए काउंटिंग मशीन की ज़रूरत हो, तो उनका इस्तेमाल कंपनी के टेक्नीशियन की मौजूदगी में किया जाना चाहिए। साथ ही, स्टेट इलेक्शन कमीशन ने निर्देश दिया था कि पॉलिटिकल पार्टियों के रिप्रेजेंटेटिव को काउंटिंग मशीन के इस्तेमाल का डेमोंस्ट्रेशन दिया जाए। इसी के मुताबिक, बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पॉलिटिकल पार्टियों के रिप्रेजेंटेटिव को डेमोंस्ट्रेशन दिया है।

सहायक उप निरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को अजमेर जिले में राजस्थान पुलिस के सहायक उप निरीक्षक को 28 हजार रुपए की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सिविल लाइन पुलिस थाना, अजमेर में तैनात सहायक उप निरीक्षक हरीराम यादव को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके द्वारा दर्ज प्रकरण में चालान पेश करने की एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है।

टी20 विश्व कप : वीजा क्लीयरेंस के इंतजार में पाकिस्तानी मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ी

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान मूल के चार अमेरिकी क्रिकेटर अली खान, शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल कोलंबो में भारतीय उच्चायोग में निर्धारित मुलाकातों में शामिल होने के बाद आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को लेकर भारत यात्रा के लिए वीजा क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे हैं। ये खिलाड़ी जो वर्तमान में फरवरी टूर्नामेंट की तैयारी के अंतिम चरण के हिस्से के रूप में यूएसए टीम के साथ श्रीलंका में हैं, ने मंगलवार (13 जनवरी) को अपनी वीजा अपॉइंटमेंट पूरी कीं। हालांकि अपॉइंटमेंट के समय वीजा जारी नहीं किए गए, लेकिन यह समझा जाता है कि कोई औपचारिक अस्वीकृति नहीं हुई है और अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आवेदन स्थापित संचालन प्रक्रियाओं के हिस्से के रूप में समीक्षा के तहत हैं।

आईसीसी के सूत्रों के अनुसार सभी दस्तावेज अपॉइंटमेंट से पहले ठीक उसी तरह जमा किए गए थे जैसा कि आवश्यक था। सूत्र ने कहा, 'आज सुबह श्रीलंका में

भारतीय दूतावास में उनकी अपॉइंटमेंट थी। उन्होंने आईसीसी द्वारा अपॉइंटमेंट से पहले मांगे गए सभी कागजात पूरे कर दिए थे। अपॉइंटमेंट के समय खिलाड़ियों को सूचित किया गया कि इस स्तर पर वीजा प्रोसेस नहीं किए जा सकते। बाद में शाम को यूएसए मैनेजमेंट को भारतीय दूतावास से एक कॉल आया जिसमें बताया गया कि कुछ आवश्यक जानकारी प्राप्त हो गई है, जबकि विदेश मंत्रालय से अतिरिक्त जानकारी का अभी भी इंतजार है। एक बार जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, तो उनसे आगे की प्रक्रिया के लिए संपर्क किया जाएगा। यही वर्तमान स्थिति है।'

इस मामले से परिचित अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यह समीक्षा प्रक्रिया विशेष-श्रेणी के मामलों के लिए मानक है और भारतीय सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार इसे संभाला जा रहा है। यह स्थिति तब सार्वजनिक ध्यान में आई जब अली खान ने 'वीजा अस्वीकृति' का जिक्र करते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अटकलें लगने लगीं।

पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों से जुड़े वीजा समीक्षाओं में ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीयता या टीम संबद्धता की परवाह किए बिना अतिरिक्त प्रशासनिक परतें शामिल रही हैं। इसी तरह की प्रक्रियाएं अतीत में मोईन अली, शोएब बशीर और उस्मान ख्वाजा जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों पर भी भारत यात्रा के दौरान लागू हुई हैं। इस प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों ने दोहराया कि आवेदन सक्रिय हैं और विचाराधीन हैं और ऐसे मामलों में समय-सीमा अक्सर शुरुआती अपॉइंटमेंट से आगे बढ़ जाती है।

सेंसेक्स 244 अंक टूटकर 83,382 पर बंद, निफ्टी 25,665 के स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में आज, 14 जनवरी को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 244 अंक गिरकर 83,382 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी करीब 66 अंकों की गिरावट के साथ 25,665 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार पर सबसे बड़ा दबाव विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से आ रहा है। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को एफआईआईएस ने ?1,499.81 करोड़ के शेयर बेचे। यह जनवरी में लगातार 7वां दिन रहा जब विदेशी निवेशकों ने शुद्ध बिकवाली की। डीलरों के मुताबिक, विदेशी फंड्स की यह लगातार निकासी खासतौर पर लार्ज-कैप शेयरों पर असर डाल रही है, जिससे बाजार में मजबूती नहीं बन पा रही है।

एशियाई बाजारों से भी निवेशकों को कोई खास सहारा नहीं मिला। चीन का शंघाई एसएसई कंपोजिट इंडेक्स गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार भी रातभर कमजोरी के साथ बंद हुए और वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स भी लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जिससे अमेरिका में कमजोर शुरुआत के संकेत मिले। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि भू-

राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, टैरिफ को लेकर अनिश्चितता और एफआईआई बिकवाली की वजह से वैश्विक माहौल फिलहाल अनुकूल नहीं है। इसी कारण भारतीय बाजार पर भी दबाव बना हुआ है।

निवेशकों की चिंता अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर भी बनी हुई है। 14 जनवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में उन टैरिफ पर फैसला आने की संभावना है, जिन्हें पिछले साल अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने लागू किया था। ये टैरिफ 10% से 50% के बीच हैं और कई बड़े देशों पर लगाए गए थे। इन टैरिफ को अदालत में यह कहकर चुनौती दी गई है कि ये राष्ट्रपति की अधिकार सीमा से बाहर हैं। अगर टैरिफ बने रहते हैं, तो इससे वैश्विक व्यापार पर असर पड़ सकता है और उभरते बाजारों, जैसे भारत, में पूंजी निवेश प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि जो देश ईरान के साथ व्यापार करेंगे, उन पर अमेरिका 25% टैरिफ लगा सकता है। ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों को फांसी दी गई, तो अमेरिका सख्त कदम उठाएगा। इन बयानों से निवेशकों की चिंता और बढ़ गई है।

वाहन कलपुर्जा उद्योग में चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान 6.8 प्रतिशत की वृद्धि : एसीएमए

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाला उद्योग चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में सालाना आधार पर 6.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3.56 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। उद्योग संगठन एसीएमए ने यह जानकारी दी। उद्योग ने वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में 3.33 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया था। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) ने बयान में कहा कि घरेलू मांग, मजबूत प्रतिस्थापन एवं रखरखाव बाजार (आफ्टरमार्केट) तथा क्षमता विस्तार, स्थानीयकरण एवं प्रौद्योगिकी उन्नयन में जारी निवेश से वृद्धि को समर्थन मिला।

उद्योग संगठन ने कहा कि वाहनों की बढ़ती संख्या, मरम्मत एवं रखरखाव प्रणाली के संगठित रूप लेने तथा संगठित इकाइयों की पैठ बढ़ने से बिक्री बाद की सेवाओं में नौ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई और यह 53,160 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इस अवधि में मुख्य रूप से यात्री वाहन एवं एलसीवी खंड के नेतृत्व में मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) की बिक्री 7.3 प्रतिशत बढ़कर 3.04 लाख करोड़ रुपए हो गई।

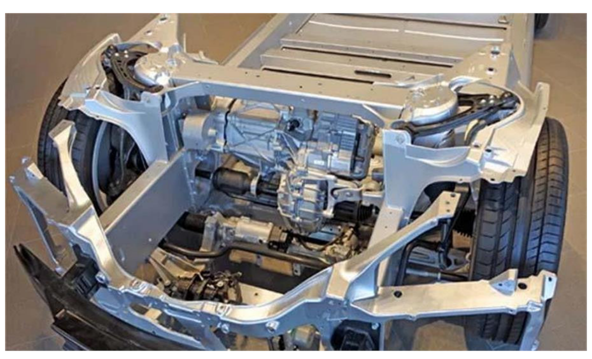

बाह्य व्यापार के मोर्चे पर, मोटर वाहन कल-पुर्जों का निर्यात 9.3 प्रतिशत बढ़कर 12.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि आयात करीब 12.5 प्रतिशत बढ़कर 12.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इसके परिणामस्वरूप 18 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा हुआ। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में अधिशेष 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। एसीएमए के महानिदेशक विन्नी मेहता ने कहा, "वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही का प्रदर्शन भारत के मोटर वाहन परिवेश की मजबूती को दर्शाता है, जिसमें ओईएम आपूर्ति और बिक्री बाद की सेवाएं दोनों में वृद्धि हुई है।"

इंडिया ओपन 2026 : पीवी सिंधू पहले दौर में बाहर, वियतनाम की एनगुएन से मिली शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने निराशा हाथ लगी। महिला एकल के पहले दौर में सिंधु ने दमदार शुरुआत करते हुए पहला गेम जरूर जीता, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकीं और वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की इंडिया ओपन चैंपियन सिंधु को 1 घंटे 8 मिनट तक चले इस मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मुकाबले के पहले गेम में सिंधु ने अनुभव का फायदा उठाया, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में एनगुएन ने बेहतर फिटनेस और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। यह हार सिंधु के लिए इसलिए भी चौंकाने वाली रही, क्योंकि वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर शानदार फॉर्म में नजर आ रही थीं। घरेलू कोर्ट पर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन दबाव के क्षणों में वह बढ़त को भुना नहीं सकीं।

रोहित शर्मा की छोटी पारी बन गई ऐतिहासिक मोहम्मद अजहरुद्दीन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच राजकोट में खेले जा रहे दूसरे वनडे मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। हालांकि बल्ले से उनका योगदान सीमित रहा, लेकिन इस मैच के दौरान उन्होंने एक अहम व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल कर ली। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया, जिससे यह पारी ऐतिहासिक बन गई।

मैच की शुरुआत से ही रोहित शर्मा सहज नजर नहीं आए। पिच पर टिकने के बावजूद वह रन गति बढ़ाने में संघर्ष करते दिखे और शॉट चयन में भी वह अपनी सामान्य लय में नहीं थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन और लेंथ से उन्हें लगातार दबाव में रखा, जिसके चलते रोहित बड़ी पारी नहीं खेल सके।

रोहित शर्मा का विकेट 25वें ओवर में गिरा, जब क्रिस्टियन क्लार्क की फुल लेंथ गेंद को वह सही से पढ़ नहीं पाए। उन्होंने कवर्स के ऊपर से शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से में लगकर सीधे विल यंग के हाथों में चली गई। रोहित 38 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें चार चौके शामिल थे।

हालांकि रोहित शर्मा की यह पारी बड़ी नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस मैच के दौरान रोहित ने न्यूजीलैंड

के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में मोहम्मद अज़हरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया।

उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन के रिकॉर्ड को पार किया, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 वनडे मैचों में 1118 रन बनाए थे। रोहित ने इस मुकाबले में अपने कुल रन बढ़ाकर 1123 कर लिए जिससे वह अब इस सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस सीरीज़ की शुरुआत से पहले रोहित शर्मा न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सबसे ज़्यादा वनडे रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में छठे स्थान पर थे। वडोदरा में खेले गए पहले वनडे मैच में 26 रन की पारी के दौरान उन्होंने पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को पीछे छोड़ते हुए पांचवां स्थान हासिल किया था। गांगुली ने कीवी टीम के खिलाफ 32 वनडे मैचों में 1079 रन बनाए थे।

गेहूं उत्पादन पिछले वर्ष के 11.79 करोड़ टन से अधिक रहने की उम्मीद-कृषि मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि अधिक बुवाई क्षेत्र और फसल की अनुकूल परिस्थितियों के कारण देश में गेहूं उत्पादन पिछले साल के 11.79 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर से अधिक रहने की उम्मीद है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक कार्यक्रम के मौके पर चौहान ने कहा, "इस समय गेहूं की फसल अच्छी स्थिति में है। कोई नुकसान नहीं है। कुल मिलाकर, उत्पादन पिछले साल की तुलना में बेहतर होगा।"

आईसीएआर के महानिदेशक एम एल जाट ने कहा कि गेहूं की बुवाई का क्षेत्रफल 3.2 करोड़ हेक्टेयर को पार कर गया है और फसल की स्थिति मजबूत बनी हुई है। जाट ने कहा कि समय पर और अगेती बुवाई के चलते उत्पादन को लेकर सकारात्मक अनुमान है। उन्होंने कहा, "अब तक फसल की स्थिति बहुत अच्छी है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो हम 12 करोड़ टन के आंकड़े को छू लेंगे।"

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 के रबी सत्र में दो जनवरी तक रिकॉर्ड 3.34 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई है, जबकि एक साल पहले यह आंकड़ा 3.28 करोड़ हेक्टेयर था।

माइनिंग सेक्टर के लिए गेमचेंजर बनेगा बजट 2026, मेटल्स पर बड़ा ऐलान संभव!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट 2026 माइनिंग सेक्टर के लिए गेमचेंजर बन सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार यूनियन बजट 2026-27 में एक औपचारिक माइनिंग पॉलिसी लाने की तैयारी में है। इस नीति का मकसद आयात पर निर्भरता घटाकर देश में चांदी, कॉपर और जिंक के उत्पादन को तेजी से बढ़ाना है। नीति से जुड़े सूत्रों के अनुसार यह पहल पिछले साल किए गए माइनिंग सुधारों को आगे बढ़ाएगी और घरेलू खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग पर फोकस करेगी।

प्रस्तावित नीति में प्राइवेट कंपनियों की भूमिका को और मजबूत किया जा सकता है, ताकि बढ़ती औद्योगिक मांग को पूरा किया जा सके। खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का फोकस चांदी, कॉपर और जिंक जैसे अहम मेटल्स पर है, क्योंकि इनकी जरूरत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी से बढ़ रही है और भारत के पास इनका सीमित लेकिन उपयोगी संसाधन आधार मौजूद है।

नीति में चांदी की रिकवरी और रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। भारत दुनिया के सबसे बड़े चांदी उपभोक्ताओं में शामिल है, लेकिन अभी भारी मात्रा में आयात पर निर्भर है, खासकर चीन से। हाल ही में चीन द्वारा कुछ मेटल्स के निर्यात पर पाबंदी लगाए जाने के बाद सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने को लेकर ज्यादा गंभीर नजर आ रही है। अधिकारियों का मानना है कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए अहम मेटल्स में आत्मनिर्भरता

जरूरी है। सरकार चांदी, कॉपर और जिंक को प्राथमिकता इसलिए दे रही है क्योंकि इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहन, पावर और कंस्ट्रक्शन जैसे सेक्टर्स में तेजी से बढ़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार जिंक के मामले में भारत पहले से मजबूत स्थिति में है और इसमें क्षमता विस्तार की काफी गुंजाइश है। वहीं कॉपर माइनिंग को भी खोलने की योजना है क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा अभी आयात करता है।

लंबी अवधि की रणनीति के तहत सरकार रेयर अर्थ मेटल्स पर भी काम शुरू करने की तैयारी कर रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इसके लिए विस्तृत सर्वे, भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी जैसी चुनौतियां हैं और उत्पादन शुरू होने में 5-6 साल लग सकते हैं। बावजूद इसके सरकार मानती है कि इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी, ड्रोन, फाइटर जेट, इलेक्ट्रिक वाहन मोटर और पवन टर्बाइन जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने के लिए रेयर अर्थ मेटल्स का घरेलू आधार बेहद जरूरी है।

मैनचेस्टर सिटी इंग्लिश लीग कप के फाइनल में जगह बनाने के करीब

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी के नए खिलाड़ी एंटोनी सेमेन्यो ने लगातार दूसरे मैच में गोल किया, जिससे उनकी टीम न्यूकैसल को 2-0 से हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गई। पिछले सप्ताह बोर्नमाउथ से 87 मिलियन डॉलर में मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने सेंट जेम्स पार्क में सेमीफाइनल के पहले चरण में 53वें मिनट में पहला गोल दागा। मैनचेस्टर सिटी के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी रेयान चेर्की ने इंजरी टाइम में दूसरा गोल किया।

सेमेन्यो ने सप्ताहांत में एफए कप में एक्सेटर के खिलाफ मैच में मैनचेस्टर सिटी की तरफ से पदार्पण करते हुए गोल किया था। उनकी टीम ने यह मैच 10-1 से जीता था। मैनचेस्टर सिटी ने लीग कप आठ बार जीता है और पेप गार्डियोला के

मुख्य कोच बनने के बाद उसने चार बार यह खिताब अपने नाम किया है। मैनचेस्टर सिटी ने आखिरी बार 2021 में यह खिताब जीता था।

लीग कप का दूसरा सेमीफाइनल चेल्सी और आर्सेनल के बीच खेला जाएगा।

उदयपुर से लौटीं कृति सेनन का पैपराजी पर फूटा गुस्सा मिस्ट्री मैन 'कबीर' के साथ वीडियो बनाने पर हुईं आगबबूला

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी बहन नुपुर सेनन की शादी को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन हाल ही में उदयपुर एयरपोर्ट से सामने आए एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। मंगलवार (13 जनवरी, 2026) को जब कृति उदयपुर से मुंबई लौट रही थीं, तब एयरपोर्ट पर पैपराजी के साथ उनकी तीखी बहस हो गई।

अब उदयपुर एयरपोर्ट का एक वीडियो ऑनलाइन वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस को कबीर के साथ फोटो खींचने की कोशिश कर रहे पैपराज़ी पर गुस्सा करते देखा जा सकता है। उन्होंने कैमरा पर्सन से चिल्लाकर कहा, 'क्यों वीडियो बना रहे हो।' जब एक्ट्रेस ने कैमरा बंद करने को कहा, तो कबीर साइड में खिसकते दिखे।

जनवरी 2026 तक, कबीर बहिया 26 साल के हैं; उनका जन्म 20 नवंबर, 1999 को हुआ था। दूसरी ओर, कृति सेनन 35 साल की हैं। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस ने अपना 35वां जन्मदिन अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ एक यॉट पर मनाया था।

कबीर बहिया ने मिलफील्ड में पढ़ाई की, जो इंग्लैंड के समरसेट में सबसे मशहूर बोर्डिंग स्कूलों में से एक है। वह अपने 52.6k फॉलोअर्स के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल के.ए.बी.बी.ए.एस का इस्तेमाल करके अपने दोस्तों, परिवार और पर्सनल लाइफ के बारे में अपडेट पोस्ट करते हैं। कबीर एक जाने-माने परिवार से आते हैं क्योंकि उनके पिता, कुलजिंदर बहिया, साउथॉल ट्रैवल के फाउंडर थे, जो यूके में स्थित एक बहुत पॉपुलर ट्रैवल कंपनी है।

यह लंदन बेस्ड परिवार संडे टाइम्स रिच लिस्ट 2019 में शामिल था, जिसकी अनुमानित नेट वर्थ 427 करोड़ रुपये थी। जबकि कबीर की वर्क लाइफ एक रहस्य बनी हुई है, उनकी अमीर परवरिश और लाइफस्टाइल कृति सेनन के साथ उनके कथित रिश्ते के बाद से काफी चर्चा में रही है, जो उनसे 9 साल बड़ी हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, कृति सेनन आखिरी बार धनुष के साथ 'तेरे इश्क में' में दिखी थीं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अब वह शाहिद कपूर की 'कॉकटेल 2' में नज़र आएंगी। रश्मिका मंदाना भी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के एक्टर्स के साथ नज़र आएंगी।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना: NGP/L/2026/T/04 Date 08.01.2026

कार्य का नाम: नागपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों के प्रत्येक प्लेटफॉर्म पर प्लेटफॉर्म शेड (कवर) प्रदान करने हेतु यात्री सुविधाओं से संबंधित प्रस्ताव के अंतर्गत विद्युत कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹ 1,40,76,086.68/- (रुपये एक करोड़ चालीस लाख छिहत्तर हजार छियासी रुपये अड़सठ पैसे मात्र))। **बयाना राशि:** ₹ 2,20,400/-. **टेंडर डॉक्युमेंट की कीमत रुपये में:** Nil. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। यह ऑफर 60 दिनों तक खुला रहेगा। **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** 06.02.2026 up to 11:00 Hrs. **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 06.02.2026 up to 11:15 Hrs. विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) मध्य रेल, नागपुर

Akar/10/23

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सिग्नलिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), प्रथम तल, पार्सल कार्यालय भारत के राष्ट्रपति और केंद्रीय रेलवे, मुंबई सीएसटी ४०० ००१ की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदाओं के लिए आमंत्रित किया गया है। **निविदा सूचना नं.: सीआर - बीबी - सं. एवंदू. स. - दक्षिण - 2026 -04, दि. 13.01.2026. कार्य का नाम:** सिग्नलिंग कार्य के संबंध में मुंबई डिवीजन के सभी बाकी स्टेशनों पर एआरएच / आईबीएच / एल सी गेट पर एक्सिरेशन सिस्टम की व्यवस्था। **लगभग मूल्य:** रु. 7.06/- करोड़। **खुलने की तारीख:** 13.02.2026. **ईएमडी:** रु. 5,03,000/-. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 12 महीने। यह निविदा 15/06/2017 दिनांकित सार्वजनिक खरीद नीति (भारत में बनाओ) आदेश 2017 का अनुपालन करती है। निविदाओं का पूरा ब्यौरा मध्य रेलवे में उपलब्ध है। आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पूरी निविदा दस्तावेजों को वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं का पूरा विवरण मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी) के कार्यालय, मुंबई सीएसटी के "नोटिस बोर्ड" में भी उपलब्ध है।

AK-831

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

सिग्नलिंग कार्य

निविदा सूचना संख्या सोला-एन-टी-2025-26-38. Date:-13.01.2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **इलाके के साथ काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन में सीटीआर, टीआरआर, टीटीआर, टीएसआर, टीएफएटीआर, टीबीआर और टीडब्ल्यूआर से संबंधित कार्यों के संबंध में सिग्नलिंग कार्य करना। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,29,44,874.19/-. **टेंडर फॉर्म की कीमत :** शून्य. **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** ₹ 2,14,700/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने. **निविदा के समापन की तिथि और समय:** 06.02.2026 after 15.30 hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध है। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे www.ireps.gov.in पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज़ में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें।

मं.रे.प्र. - एस एंड टी शाखा मध्य रेल, सोलापुर

Akar/Sur-7

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

चुनावी महासफर

महाराष्ट्र BJP चीफ रविंद्र चव्हाण का विपक्ष पर निशाना

'मराठी भाषा का राजनीतिकरण न करें'

दिव्यांश

महाराष्ट्र में मराठी भाषा और अस्मिता को लेकर विपक्ष की तरफ से जारी सियासत को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पलटवार किया है। उन्होंने दो टूक जवाब देते हुए कहा है कि विपक्ष सिर्फ मराठी भाषा पर राजनीति कर रहा है. बीजेपी के लिए 'मराठी' शब्द मराठी व्याकरण के बहुवचन जैसा है।

रवींद्र चव्हाण ने कहा कि मराठी भाषा को लेकर हमारा दृष्टिकोण 'हम हमारे सब' जैसी सामूहिक और व्यापक सोच का प्रतीक है. जिसमें मराठी भाषा, संस्कृति और अस्मिता शामिल हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारा मराठी दृष्टिकोण सकारात्मकता फैलाने वाला है, जिसके माध्यम से मराठी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रचार-प्रसार की बात कही गई है।

विपक्ष मराठी भाषा का राजनीतिकरण कर रहा है- रवींद्र चव्हाण

विपक्ष पर कड़े शब्दों में निशाना साधते हुए रवींद्र चव्हाण ने कहा कि मराठी भाषा का राजनीतिकरण न करें, क्योंकि यह कोई विष और अमृत का खेल नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि मराठी को लेकर विपक्ष की भूमिका नकारात्मकता से भरी हुई है और संत ज्ञानेश्वर के 'विश्वात्मके देवे' जैसे वैश्विक सिद्धांत से उनकी कोई प्रतिबद्धता नहीं दिखती।

'मातृ संस्था की विचारधारा ही बीजेपी की विचारधारा है'

रवींद्र चव्हाण ने कहा कि मराठी माणूस और बीजेपी दो अलग-अलग बातें नहीं हैं. वास्तव में, मराठी लोगों द्वारा स्थापित मातृ संस्था की विचारधारा ही बीजेपी

की विचारधारा है. संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, स्वातंत्र्यवीर सावरकर और बालासाहेब ठाकरे इन तीनों ही मराठी भाषी महान व्यक्तित्वों के विचारों से प्रेरित होकर देश और समाज के निर्माण का कार्य बीजेपी वर्षों से करती आ रही है।

रवींद्र चव्हाण ने लोगों से किया ये आह्वान

रवींद्र चव्हाण ने बताया कि केवल महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में रहने वाले मराठी भाषियों की उन्नति के लिए बीजेपी पूरी तरह प्रतिबद्ध है. उन्होंने आह्वान किया कि कि राज्य की प्रगति हो, राज्य के नागरिकों का जीवन अधिक सुगम बने और देशभक्त और संस्कारित पीढ़ी तैयार हो, इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

बीजेपी का दावा है कि मराठी भाषा को अभिजात दर्जा दिलाया गया. उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में मनाई जाने वाली गुड़ी पड़वा शोभायात्रा की शुरुआत सबसे पहले बीजेपी कार्यकर्ताओं की संकल्पना से हुई, यही मराठी भाषा के प्रति हमारा 'बहुवचन' दृष्टिकोण है।

35 रुपए के लिए मर्डर की कोशिश, मुंबई में युवक ने दोस्त के चाचा को पेट्रोल डाल जलाया

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के जोगेश्वरी इलाके से एक बेहद चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. सिर्फ 35 रुपये के बकाया को लेकर हुए झगड़े ने एक खतरनाक रूप ले लिया, जिसमें एक व्यक्ति को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की गई. आरोपी नागेंद्र यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

क्या था पूरा मामला?

यह घटना जोगेश्वरी की एक पान की दुकान पर हुई. बताया जा रहा है कि नागेंद्र यादव और उसके दोस्त के बीच सिगरेट के 35 रुपये को लेकर विवाद हो गया था. बात इतनी बढ़ी कि दोनों के बीच जोरदार झगड़ा शुरू हो गया.

इसी दौरान 22 साल के नागेंद्र का दोस्त जब झगड़ा नहीं रोक पाया तो उसके चाचा राजेंद्र यादव बीच-बचाव करने आए, लेकिन गुस्से में भरे नागेंद्र ने अचानक पेट्रोल उठाया और 45 साल के राजेंद्र यादव पर डालकर आग लगा दी. यह पूरा हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया.

गंभीर रूप से घायल हुआ पीड़ित

पेट्रोल डालकर आग लगाने के कारण राजेंद्र यादव बुरी तरह झुलस गए. लोगों ने तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है. डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है. सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी नागेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि क्या इस घटना के पीछे कोई पुराना विवाद या व्यक्तिगत दुश्मनी थी.

नगर निगम चुनाव में वोटिंग के लिए चुनाव मशीनरी तैयार

दिव्यांश

मुंबई। राज्य में 29 नगर निगमों के आम चुनाव के लिए गुरुवार को वोटिंग हो रही है और इसके लिए सारी मशीनरी तैयार है। यह चुनाव 2 हज़ार 869 सीटों के लिए हो रहा है और 3 करोड़ 48 लाख 79 हज़ार 337 वोटरों के लिए 39 हज़ार 92 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। चुनाव मैदान में 15 हज़ार 908 उम्मीदवार हैं; पुलिस सुरक्षा का भी पूरा इंतज़ाम किया गया है।

राज्य चुनाव आयोग ने 15 दिसंबर 2025 को 29 नगर निगमों के आम चुनावों का शेड्यूल घोषित किया था। इसके अनुसार, बृहन्मुंबई, छत्रपति संभाजीनगर, नवी मुंबई, वसई-विरार, कोल्हापुर, कल्याण-डोंबिवली, ठाणे, उल्हासनगर, नासिक, पुणे, पिंपरी-चिंचवाड़, सोलापुर, अकोला, अमरावती, नागपुर, चंद्रपुर, लातूर, परभणी, भिवंडी-निजामपुर, मालेगांव, पनवेल, मीरा-भायंदर, नांदेड़-वाघला, सांगली-मिराज, कुपवाड़, जलगांव, धुले, अहिल्यानगर, इचलकरंजी और जालना नगर निगमों के लिए वोटिंग हो रही है।

वोटिंग सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगी। वोटों की गिनती 16 जनवरी, 2026 को सुबह 10 बजे संबंधित जगहों पर शुरू होगी। वोटर्स में 1 करोड़ 81 लाख 94 हज़ार 292 पुरुष, 1 करोड़ 66 लाख 80 हज़ार 449 महिलाएं हैं; 4,596 दूसरे वोटर्स हैं। इनके लिए कुल 39,092 पोलिंग स्टेशन में से कुल 3,196 सेंसिटिव पोलिंग स्टेशन घोषित किए गए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इंतज़ाम

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के लिए काफ़ी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें का इंतज़ाम किया गया है। इनमें से 43,958 कंट्रोल यूनिट और 87,916 बैलेट यूनिट उपलब्ध कराई गई हैं। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए 11,349 कंट्रोल यूनिट और 22,698 बैलेट यूनिट का इंतज़ाम किया गया है।

बृहन्मुंबई को छोड़कर बाकी सभी 28 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव मल्टी-मेंबर सिस्टम के तहत हो रहे हैं। क्योंकि बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एक वार्ड से सिर्फ़ एक मेंबर चुना जाना है, इसलिए हर वोटर को सिर्फ़ एक वोट डालना होगा। बाकी सभी 28 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, मल्टी-मेंबर वार्ड सिस्टम की वजह से, हर वार्ड में लगभग चार सीटें होंगी। कुछ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कुछ वार्ड में तीन या पांच सीटें हो सकती हैं। इस हिसाब से, बृहन्मुंबई को छोड़कर बाकी सभी म्युनिसिपल चुनावों में हर वोटर के एवरेज 4 वोट डालने की उम्मीद है। कुछ जगहों पर 3 से 5 वोट पड़ने की उम्मीद होगी। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 227 वार्ड हैं, सभी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को मिलाकर कुल 893 वार्ड हैं। इसमें 2 हजार 869 सीटें शामिल हैं। इसके लिए 15 हजार 908 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

पुलिस का इंतज़ाम

म्युनिसिपल चुनावों के लिए पुलिस का काफ़ी इंतज़ाम किया गया है। इसमें 3 एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, 63 डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, 56 पुलिस इंस्पेक्टर, 858 असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर/पुलिस सब-इंस्पेक्टर और 11 हजार 938 पुलिस ऑफिसर शामिल हैं। इसके साथ ही 42 हजार 703 होमगार्ड भी तैनात किए गए हैं। वोटों की गिनती और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्टेट रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स की कुल 57 कंपनियों को तैनात किया गया है।

पॉलिटिकल पार्टियों की मीटिंग

स्टेट इलेक्शन कमीशन द्वारा रजिस्टर्ड और मान्यता प्राप्त पॉलिटिकल पार्टियों की एक मीटिंग स्टेट इलेक्शन कमिश्नर दिनेश वाघमारे की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों के लिए वोटिंग और वोटों की गिनती की तैयारियों के साथ-साथ उनके तहत आने वाली 12 ज़िला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावों की तैयारियों के बारे में भी बात हुई। कमीशन के सेक्रेटरी सुरेश काकानी, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस मनोज कुमार शर्मा और अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। मौजूद प्रतिनिधियों को वोटिंग, वोटों की गिनती और कानून-व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई।

वोट ज़रूर करें

'म्युनिसिपल चुनावों में बड़ी संख्या में वोट देकर, हमें अपने शहर और महानगर के विकास में भी योगदान देना चाहिए और डेमोक्रेटिक प्रोसेस में सक्रिय रूप से हिस्सा लेना चाहिए। हमारा वोट हमारे शहर का भविष्य तय कर सकता है। क्योंकि यह कीमती है। यह डेमोक्रेसी में हमारा महत्वपूर्ण अधिकार है और हमें इसे वोटिंग के ज़रिए इस्तेमाल करना चाहिए।

सीएम फडणवीस का खुलासाः

महाराष्ट्र में लागत बढ़ने से 40 हजार करोड़ की परियोजनाएं रद्द, कांग्रेस ने साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि लागत में भारी बढ़ोतरी के कारण करीब 40,000 करोड़ रुपये की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं रद्द कर दी गई हैं। एक मराठी अखबार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हालात बदलने और खर्च बढ़ने से ये प्रोजेक्ट अब आर्थिक रूप से सही नहीं रह गए थे। इसलिए पूरी सोच-समझकर इन्हें रोकने का फैसला लिया गया।

क्या बोले सीएम फडणवीस?

फडणवीस ने बताया कि सरकार ने शहरी विकास विभाग के पुराने प्रस्तावों की समीक्षा की। इसमें पाया गया कि नए नियमों और आर्थिक बोझ को देखते हुए कई प्रोजेक्ट्स पर फिर से विचार करना जरूरी है। उन्होंने यूनिफाइड डेवलपमेंट कंट्रोल एंड प्रमोशन रेगुलेशंस (यूडीसीपीआर) का जिक्र करते हुए कहा कि विसंगतियों को दूर करने के लिए बदलाव जरूरी थे। उन्होंने साफ किया कि जनता का पैसा सही जगह लगे, यह उनकी जिम्मेदारी है और प्रोजेक्ट्स को मनमाने ढंग से नहीं रोका गया है।

इन बयानों के बीच राजनीति तेज

मामले में अब इस मुद्दे पर राजनीति भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री जानबूझकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शहरी विकास विभाग को निशाना बना रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि यह कोई छोटा मतभेद नहीं, बल्कि महायुति सरकार में पड़ी एक बड़ी दरार है।

क्या बोली कांग्रेस?

कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि चुनाव प्रचार खत्म होते ही मुख्यमंत्री उप मुख्यमंत्रियों पर कुप्रबंधन के आरोप लगा रहे हैं। ऐसे आरोप लगाना सरकार के भीतर की लड़ाई को दिखाता है।

सावंत ने सवाल उठाया कि बिना जांच के इतना बड़ा फैसला कैसे लिया गया? उन्होंने पूछा कि सिर्फ शहरी विकास विभाग को ही क्यों टारगेट किया जा रहा है?

भाजपा नेता ने की थी आलोचना

गौरतलब है कि एकनाथ शिंदे के कट्टर प्रतिद्वंद्वी भाजपा मंत्री गणेश नाइक ने भी हाल ही में शहरी विकास के कुछ नियमों की आलोचना की थी, जिसे एकनाथ शिंदे के विभाग से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस ने मुंबई और अन्य नगर निगमों के चुनाव से ठीक पहले इस खुलासे के समय पर भी सवाल खड़े किए हैं। बता दें कि सरकार में साथ होने के बावजूद भाजपा और शिंदे गुट कुछ जगहों पर एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

स्थानीय निकाय चुनाव में महायुति के साथ चुनाव ना लड़ने पर अजित पवार की सफाई; कही ये बात

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में उनकी पार्टी का महायुति से अलग चुनाव लड़ना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने यह कदम अपने कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने और समर्थन देने के लिए उठाया है।

अजित पवार ने पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में अपनी पार्टी के अलग चुनाव लड़ने को वोट शेयर को मजबूत करने वाला कदम बताया। उन्होंने याद दिलाया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में एनसीपी और कांग्रेस ने गठबंधन किया था, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों में अक्सर अलग से मुकाबला किया गया।

'अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे'

पवार ने कहा मैं राजनीति में 1999 से हूं। सभी चुनावों में हमने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, संसद और विधानसभा चुनावों में साथ काम किया, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों में अपने कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए हम अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे। इसी तरह भाजपा और शिवसेना के साथ भी हालात रहे हैं।

हालांकि, पवार ने स्पष्ट किया कि भाजपा, ए्नइ और शिवसेना के अलग चुनाव लड़ने से राज्य सरकार के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग पर दो एनसीपी गुटों ने मिलकर चुनाव लड़ा, जिससे वोट विभाजन कम होगा। पवार ने बताया कि पहले कुछ असमंजस और गलत खबरें फैली थीं, लेकिन अब स्थिति स्पष्ट है। अजित पवार ने यह भी कहा कि शिवसेना के महायुति साथी एकनाथ शिंदे ने पहले गठबंधन के लिए संपर्क नहीं किया और जब किया भी तो सभी नामांकन पत्र भर दिए गए थे। उन्होंने आगे कहा हमने अभी भविष्य की किसी बड़ी योजना पर विचार नहीं किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)